वार्षिक प्रतिवेदन
२०१२ - २०१३

दून विश्वविद्यालय
देहरादून

दून विश्वविद्यालय, 2013
इस रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा विश्वविद्यालय
की अनुमति के बिना किसी भी रूप में कॉपी
नहीं किया जाना चाहिए।

वार्षिक प्रतिवेदन समिति 2012–2013
1.डा0 कुशुम अरूणांचलम
2.डा0 अर्चना शर्मा
3.श्री मुकुल बहुगुणा

दून विश्वविद्यालय, देहरादून
केदारपुर, मोथरोवाला रोड़
पो0 अजबपुर, देहरादून–248001

मुद्रक – शिखर ईण्टरप्राइजेज, देहरादून, 0135–2532753

विषय सूची

1.	**कुलपति का संदेश**	**51**
2.	**दून विश्वविद्यालय का परिचय**	**53**
	2.1 दर्शन	
	2.2 मिशन	
	2.3 विश्वविद्यालय की विशेषता	
	2.4 अध्यापन	
3.	**विश्वविद्यालय की शासनिक संरचना**	**55**
	3.1 विश्वविद्यालय न्यायालय	
	3.2 कार्यकारी परिषद	
	3.3 शैक्षणिक परिषद	
	3.4 वित्तीय समिति	
4.	**शैक्षणिक उपलब्धियां**	**57**
	4.1 प्रथम शैक्षणिक सत्र	
	4.2 द्वितीय शैक्षणिक सत्र	
	4.3 तृतीय शैक्षणिक सत्र	
	4.4 चतुर्थ शैक्षणिक सत्र	
	4.5 नये छात्रों के लिए स्थिति निर्धारण कार्यक्रम	
	4.6 संकाय उपलब्धियां	
	4.7 शैक्षणिक सहयोग	
5.	**अनुदान / शिक्षावृत्ति / छात्रवृत्ति**	**60**
	5.1 राज्य सरकार से प्राप्त बुनियादी ढांचे के विकास हेतु अनुदान	
	5.2 यूजीसी से प्राप्त अनुदान	
	5.3 शिक्षावृत्ति एवं छात्रवृत्ति	
6.	**शैक्षणिक विद्यालय / संस्थान**	**61**
	6.1 पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान	
	6.2 जनसंचार संस्थान	
	6.3 सामाजिक विज्ञान संस्थान	
	6.4 भाषा संस्थान	
	6.5 प्रबंधन संस्थान	
	6.6 जननीति केन्द्र	

7. दून विश्वविद्यालय पुस्तकालय **87**

8. दून विश्वविद्यालय में सुविधाएं **90**

8.1 छात्रावास

8.2 सामाजिक सशक्तिकरण प्रकोष्ठ

8.3 प्लेस्मैंट प्रकोष्ठ

8.4 आई पी आर/पेटेंट प्रकोष्ठ

8.5 कंप्यूटर सुविधा

8.6 क्रीड़ा सुविधा

8.7 चिकित्सा सुविधा

8.8 बैंक सुविधा

8.9 दैनिक देखभाल हेतु

8.10 संकाय लौज

8.11 डाकघर

9. अतिरिक्त कार्यकलाप **93**

9.1 विश्वविद्यालय सांस्कृतिक घटनायें व गतिविधियां

9.2 राष्ट्रीय सेवा योजना

9.3 रैगिंग के लिए शून्य सहिष्णुता

9.4 लैंगिक संबंधी समस्याओं का निदान

9.5 हरित परिसर

9.6 विश्वविद्यालय में गणमान्य आगन्तुक

10 भावी परिकल्पनाएँ **98**

10.1 शैक्षणिक कार्यक्रम

10.2 बुनियादी ढांचे का विस्तार

10.3 नैक (नेशनल ऐससमैन्ट एण्ड एक्रीडेशन काउंसिल) मूल्यांकन

ऑडिट रिपोर्ट **99**

अनुबन्ध (Annexures) **113**

2. दून विश्वविद्यालय का परिचय

दून विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार उत्तराखंड में उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता की जो बड़ी रिक्तता रही है, उसको पूरा करने की दृष्टि से क्रियान्वित हुआ है। दून विश्वविद्यालय विधेयक 2005 (2005 का उत्तरांचल अधिनियम संख्या 18) उत्तराखण्ड विधान सभा में पारित किया गया और 23 अप्रैल 2005 को महामहिम राज्यपाल ने इसे स्वीकृत किया । यह 26 अप्रैल, 2005 को उत्तराखंड राजपत्र में प्रकाशित हुआ। 9 मई 2009 को इसका अधिनियम अनुमोदित हुआ और इस विश्वविद्यालय ने अपना प्रथम शैक्षणिक सत्र 6 अगस्त 2009 को प्रारंभ किया। इस अधिनियम की मूल भावन उच्च शिक्षा की एक स्वायत्त और उत्तरदायी शिक्षण संस्था का निर्माण करना है। तदनुसार विश्वविद्यालय का इरादा सामाजिक और आर्थिक पहलुओं से सम्बद्ध शिक्षा प्रदान करना है । इसका उद्देश्य अनुसंधान और अध्यापन पद्धतियों के अग्रणी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करना भी है। वास्तव में यह जनादेश बहुत भारी और चुनौतीपूर्ण है ।

2.1 दून विश्वविद्यालय का दर्शन और मिशन

अधिनियम की धारा 5 (1) में किए गए प्रावधान के अनुसार दून विश्वविद्यालय अध्ययन के लिए चुने हुए क्षेत्रों में उत्कर्ष का एक केन्द्र बनेगा तथा ज्ञान के सम्वर्धन और प्रसारण के लिए अनुसंधान करेगा। इस प्रकार का यह प्रयास देश और विश्वभर में सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

दून विश्वविद्यालय के विशेश कार्य इस प्रकार होंगेः

- छात्र और शिक्षण अध्यापन पर केन्द्रित शिक्षा प्राप्त करने के लिए होगा जिसमें प्रतिष्ठित अनुसंधान कर्त्ताओं के एक समुदाय की सहायता होगी ।
- सहयोगी शैक्षणिक साहसिक कार्य के माध्यम से नेतृत्व
- मूल्य–आधारित शिक्षण

2.2. विश्वविद्यालय मिशन

विश्वविद्यालय निम्नलिखित उद्देश्यों को हासिल करने हेतु कार्य करेगा।

- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के नये–नये विषयों में उच्च स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम।
- चयनित क्षेत्रों में ज्ञान की सीमाओं के विस्तारण हेतु उच्च गुणवत्तापूर्ण और बहु–विषयी अनुसंधान कार्य संचालित करना।
- अनुसंधान में श्रेष्ठता लाने हेतु विद्वत्जनों–शोधकर्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण व अनुकूल वातावरण प्रदान करना।

2.3 विश्वविद्यालय की विशेषता

दून विश्वविद्यालय अधिनियम की मूल भवना के अनुसार विश्वविद्यालय की विशेषताएं संक्षिप्त रूप में निम्नलिखित हो सकती हैं:

- उच्च अध्ययन के मामलों में उत्कृष्टता हासिल करने का केन्द्र, समाज की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील तथा अग्रणी विश्वविद्यालयों/शिक्षण संस्थाओं के साथ तालमेल करके अध्यापन और अनुसंधान में संयुक्त कार्यक्रम शुरू करना।
- उत्तराखण्ड के अलावा देश व विदेश से छात्र–छात्राओं को प्रवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा, विशेष रूप से प्रगतिशील देशों से।
- विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में छात्रों का चयन सख्ती से गुण–दोष व अभिरूचि के आधार पर किया जाएगा।
- देश के बाहर से उच्च गुणवत्तापूर्ण संकाय की आवश्यकता।

2.4 अध्यापन

दून विश्वविद्यालय में अध्यापन संबंधी प्रस्ताव मूल पहचान पर भूमिका के रूप में व्यक्त की जाती है कि इक्कीसवीं सदी हेतु अध्यापनीय विकल्प बदलती हुई शैक्षणिक, प्रौद्योगिकीय, व्यावसायिक, सामाजिक आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप होने चाहिए। यह पहचान और इसकी स्वीकार्यता के लिए पारम्परिक शिक्षण प्रणाली जो कक्षा और अध्यापक पर केंद्रित अनुदेशों पर आधारित थी, इसमें परिवर्तन की आवश्यकता/मांग है तथा इसे ज्ञान और कार्यकुशलता अर्जित करने के बेहतर सार्थक प्रयास किए जाने की जरूरत है जो समयानुसार अध्यापन पद्धति के चार मुख्य उपायों के माध्यम से हासिल होता है जैसे– सक्रिय शिक्षण, कक्षा स्थल से हटकर शिक्षण, व्यवसाय और कैरियर कार्यकौशल। इसे निम्नलिखित के माध्यम से अर्जित किया गया है

- छात्र–अध्यापक के निकट संपर्क हेतु प्रत्येक छात्र के लिए सलाहकार।
- कक्षा स्थल से अलग ट्यूटोरियल–शिक्षण।
- सत्रीय सेमिनारों, परियोजनाओं, प्रदत्त कार्यों, परीक्षण/प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सतत मूल्यांकन।
- नये व्यावसायिक अनुभव तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों के लिए तृतीय समेस्टर छात्र–छात्राओं हेतु क्षेत्र अध्ययन/ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप।
- छात्र–छात्राओं में विश्लेषणीय क्षमता बढ़ाने हेतु चतुर्थ समेस्टर में शोध–निबंध की व्यवस्था।

3 विश्वविद्यालय की शासनिक संरचना

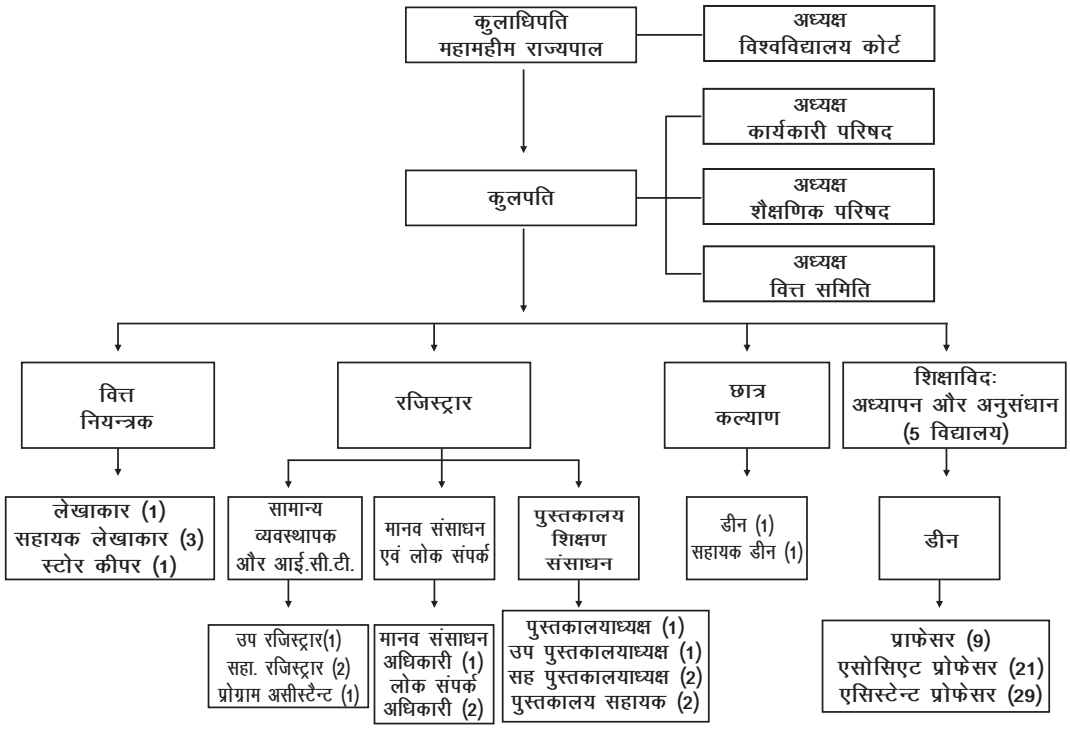

3.1. विश्वविद्यालय न्यायालय

न्यायालय (कोर्ट) विश्वविद्यालय का उच्चतम प्राधिकरण है और उसे कार्यकारी परिषद तथा शैक्षणिक परिषद के अधिनियमों की समीक्षा करने का अधिकार है।

विश्वविद्यालय न्यायालय (कोर्ट) की संरचना उपरोक्त रेखाचित्र में दर्शायी गयी है।

दून विश्वविद्यालय न्यायालय (कोर्ट) की दूसरी बैठक उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल तथा कुलपति, दून विश्वविद्यालय डा. अजीज कुरैशी की अध्यक्षता में 8 मई, 2013 को संपन्न हुई थी। बैठक के आरंभ में कुलपति महोदय ने कुलाधिपति तथा प्रतिष्ठित न्यायालय के सभी सदस्यों का स्वागत किया ।

दून विश्वविद्यालय की स्थापना, मूल्यांकन और उपलब्धियों के परिदृश्य को दर्शाने के बाद महामहिम राज्यपाल व कुलपति ने विश्वविद्यालय की समग्र उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने अपनी चिन्ता व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि अभी हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बुरी तरह से प्रभवित हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति विशुद्ध शैक्षणिक प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए। विश्वविद्यालय को पूर्ण रूप से स्वायत्तता मिलनी चाहिए।

3.2 दून विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद(ई0सी0)

कार्यकारी परिषद विश्वविद्यालय का उच्चत्तम निकाय है (अनुलग्नक–।।) ।

कार्यकारी परिषद विश्वविद्यालय की संस्थानीय दृष्टिकोण की भूमिका होती है तथा इससे विश्वविद्यालय को एक कार्यनीतिक दिशा प्रदान करते हुए समन्वय का कार्य करती है। इसका दायित्व विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और एकता को बनाए रखना

तथा कुलपति को नीति संबधी मामलों में सलाह देना है जिससे पूरा विश्वविद्यालय प्रभावित हो सके। कार्यकारी परिषद अधिनियमों और अध्यादेश के अनुसार छात्रवृत्ति, मैडल और अन्य पुरस्कार प्रदान करती है। परिषद् अध्यापकों, अधिकारियों और विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति में भी भूमिका अदा करती है तथा उनके कार्यों को निर्धारित करते हुए उनकी सेवा शर्तों का निर्धारण करती है । कार्यकारी परिषद की दो बैठकें 4 अप्रैल, 2012 तथा 7 सितम्बर 2012 को हुई हैं।

कार्यकारी परिषद द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णय

4 अप्रैल 2012 को हुई कार्यकारी परिषद की 15 वीं बैठक

- कार्यकारी परिषद ने आई ओ ए सी की स्थपना का अनुमोदन किया।
- विश्वविद्यालय को ओस्नाबुक विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति प्रदान की।
- विश्वविद्यालय के निर्माणकार्यों के अनुश्रवण के लिए एक सिविल इंजीनियर की सेवाएं लेने हेतु कार्य पर रखने का अनुमोदन किया।
- विश्वविद्यालय में शारीरिक विज्ञान संस्थान खोलने हेतु आवश्यक तैयारियां शुरू करने के लिए कुलपति को प्राधिकृत किया गया।
- विश्वविद्यालय के भाषा संस्थान में जापानी और अंग्रेजी में समेकित मास्टर्स कार्यक्रम पर विचार करने हेतु आवश्यक तैयारियां आरंभ करने के लिए कुलपति को प्राधिकृत किया गया
- विश्वविद्यालय के लिए भवन समिति गठित करने का अनुमोदन किया।

7 सित. 2012 को हुई कार्यकारी परिषद की 16वीं बैठक

- दून विश्वविद्यालय छात्र सहायता निधि योजना हेतु दिशानिर्देशों का अनुमोदन किया गया ।
- यूजीसी द्वारा प्रदत्त शुल्क प्रतिपूर्ति नीति का अनुमोदन किया गया।
- विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ की स्थापना के लिए अनुमोदन।
- उच्च शिक्षा में क्रीडा के उन्नयन के लिए क्रीडा मैडल विजेताओं राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय खेलों के प्रतिभागियों के लिए निःशुल्क शिक्षा की नई योजना प्रवर्तन का अनुमोदन।

4. शैक्षणिक उपलब्धियां

4.1 प्रथम शैक्षणिक सत्र (2009–2010)

दून विश्वविद्यालय के प्रथम शैक्षणिक सत्र का उद्घादन 6 अगस्त 2009 को तत्कालीन मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल ''निशंक' द्वारा किया गया था। शैक्षणिक सत्र 2009–2010 निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश दिए गए तथा 78 छात्रों को प्रविष्ठ किया गया ।

1. स्नातकोत्तर (एमए) जन संचार (जनसंचार विद्यालय)
2. एमएससी पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
3. एम एससी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)

दोनों कार्यक्रमों के लिए छात्रों का चयन 19 जुलाई 2009 को देहरादून में आयोजित प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया गया।

4.2 द्वितीय भौक्षणिक सत्र (2010–2011)

शैक्षणिक सत्र 2010–2011 के दौरान प्रवेश निम्नलिखित 8 शैक्षणिक कार्यक्रमों में किया गया इसमें कुल 152 छात्रों को प्रविष्ठ किया गया ।

1. एम ए जन संचार (जनसंचार संस्थान)
2. एम एससी पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
3. एम एससी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
4. एम ए अर्थशास्त्र (सामाजिक विज्ञान संस्थान)
5. एम ए जर्मन (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम (भाषा संस्थान)
6. एम ए स्पैनिश (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम (भाषा संस्थान)
7. एम ए चाइनीज (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम (भाषा संस्थान)
8. एम बी ए (प्रबंधन संस्थान)

एम बी ए को छोड़कर उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश किए गए। प्रवेश परीक्षा 13 जून 2010 को 5 विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित की गई, जैसे देहरादून, हल्द्वानी, लखनऊ, नई दिल्ली और गुवाहाटी। एम. बी.ए. कार्यक्रम के लिए प्रवेश 19–20 जून 2010 को उन उम्मीदवारों के पारस्परिक सामूहिक विचार–विमर्ष के आधार पर किया गया जिनका मैट/कैट का वैध स्कोर था। दून विश्वविद्यालय में उत्तराखंड से बाहर के छात्रों को पहली बार प्रविष्ठ किया गया जैसे– पश्चिम बंगाल, असम, सिक्किम और हरियाणा के छात्रों को लिया गया। प्रत्येक कार्यक्रम में निम्नलिखित तालिका–1 में दिए गए विवरणानुसार कई छात्रों को प्रवेश दिया गया ।

4.3 तृतीय शैक्षणिक सत्र (2011–2012)

शैक्षणिक सत्र 2011–2012 के लिए निम्नलिखित ग्यारह शैक्षणिक कार्यक्रमों में कुल 205 छात्रों को प्रविष्ठ किया गया ।

1. एम ए जन संचार (जनसंचार संस्थान)
2. एम ए जन संचार (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {जनसंचार संस्थान}
3. एमएससी पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
4. एम एससी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
5. पी एचडी पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
6. एम ए अर्थशास्त्र (सामाजिक विज्ञान संस्थान)
7. एम एससी अर्थशास्त्र (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {सामाजिक विज्ञान संस्थान}
8. एम ए जर्मन (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {भाषा संस्थान}
9. एम ए स्पैनिश (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {भाषा संस्थान}
10. एम ए चाइनीज (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {भाषा संस्थान}
11. एम बी ए (प्रबंधन संस्थान)

4.4. चतुर्थ शैक्षणिक सत्र (2012–2013)

शैक्षणिक सत्र 2012–2013 के लिए निम्नलिखित ग्यारह शैक्षणिक कार्यक्रमों में कुल 188 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

1. एम ए जन संचार (जनसंचार संस्थान)
2. एम ए जन संचार (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {जनसंचार संस्थान}
3. एम एससी पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन विद्यालय)
4. एम एससी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
5. पी एच डी पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान)
6. एम ए अर्थशास्त्र (सामाजिक विज्ञान संस्थान)
7. एम एससी अर्थशास्त्र (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम) {सामाजिक विज्ञान संस्थान}
8. एम ए जर्मन (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम {भाषा संस्थान}
9. एम ए स्पैनिश (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम {भाषा संस्थान}

10. एम ए चाइनीज (पंचवर्षीय समेकित कार्यक्रम {भाषा संस्थान}
11. एम बी ए (प्रबंधन संस्थान)

एम बी ए को छोड़कर उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश किए गए। प्रवेश परीक्षा 10 जून 2012 को 5 विभिन्न केन्द्रों में आयोजित की गई, जैसे देहरादून, हल्द्वानी, लखनऊ, नई दिल्ली और गुवाहाटी। एम. बी. ए. कार्यक्रम में प्रवेश पुनः उन उम्मीदवारों के पारस्परिक सामूहिक विचार–विमर्ष के आधार पर किया गया जिनका मैट/कैट का वैध स्कोर था। सामूहिक विचार–विमर्ष दून विश्वविद्यालय में 12 जुलाई, 2012 को कराया गया। इस वर्ष पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान ने पी एच डी कार्यक्रम हेतु चार छात्र–छात्राओं का चयन किया गया। चार छात्रों को डी एस टी, भारत सरकार की ओर से 'इन्सपायर' शिक्षावृत्ति प्रदान की गई, इन्हें सीधे ही पी एच डी में प्रविष्ठ किया गया ।

उत्तराखंड के छात्रों के अलावा अन्य राज्यों जैसे– राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली और हरियाणा के छात्रों को भी दून विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया ।

वर्ष 2012–13 में पंजीकृत छात्र–छात्राओं की संख्या

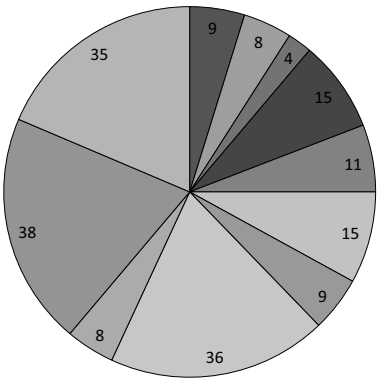

- पर्यावरण अध्ययन में एम एस (एसईएनआर)
- प्राकृतिक संसाधन में एम एस प्रबंधन (एसईएनआर)
- पर्यावरण विज्ञान में पी एच डी (एसईएनआर)
- जन संचार में 2 वर्षीय एम ए (एसओएस)
- जन संचार में 5 वर्षीय एम ए (एसओएस)
- अर्थशास्त्र में एम ए (एओएसएस)
- अर्थशास्त्र में एमएससी (एओएसएस)
- एम ए चाइनीज (एसओएल)
- एम ए जर्मन (एसओएल)
- एम ए स्पैनिश (एसओएल)
- एम बी ए (एसओएम)

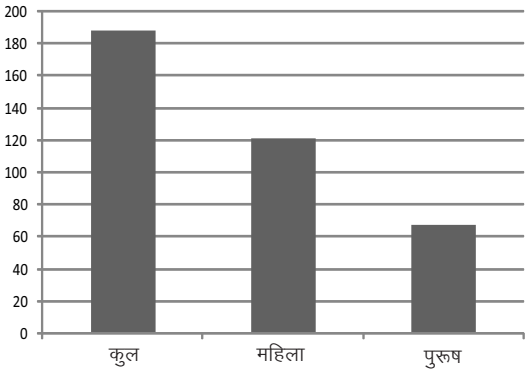

दून विश्वविद्यालय में वर्ष 2012–13 के दौरान छात्र–छात्राओं का नामांकन

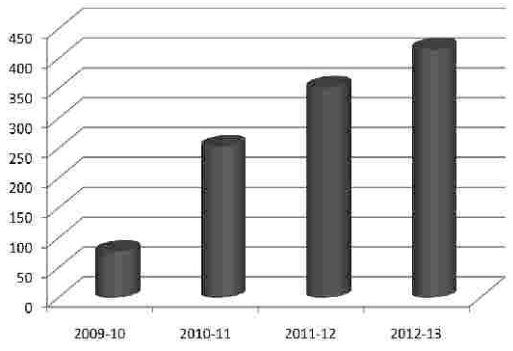

वर्ष 2012–13 के दौरान दून विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं की संख्या

4.6 नये छात्रों के लिए स्थिति–निर्धारण कार्यक्रम

नया शैक्षणिक सत्र प्रत्येक वर्ष जुलाई के अंतिम सप्ताह के सोमवार से आरंभ होता है । दून विश्वविद्यालय के चौथे शैणिक सत्र में जुलाई, 2012 में प्रविष्ठ नये छात्र–छात्राओं के लाभ के लिए विश्वविद्यालय ने 16 जुलाई से 20 जुलाई, 2012 तक पहले सप्ताह में ही एक विशेष स्थिति–निर्धारण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस स्थिति–निर्धारण सप्ताह के पहले दिन कुलपति महोदय तथा रजिस्ट्रार का संबोधन हुआ जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

21 जुलाई को छात्र–छात्राओं को पाठयक्रम की संरचना, क्रेडिट प्रणाली और विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली के बारे में परीक्षा नियंत्रक ने अवगत कराया। इसके अलावा छात्र–छात्राओं को रैगिंग न करने और लिंग भेद जैसे संवेदनशील मुद्दों से भी अवगत कराया गया ।

छात्र–छात्राओं के लिए एक संपर्क सत्र भी रखा गया जिसमें परिसर की जीवन चर्चा के विभिन्न पहलुओं पर एक व्यावसायिक परामर्शदाता द्वारा बताया गया । उपरोक्त के अतिरिक्त प्रत्येक संस्थानद्वारा संकाय के अन्य संपर्क सत्रों

के अलावा अपने–अपने संस्थानों में प्रतिष्ठित प्रवक्ताओं को आमंत्रित कर बहुत से व्याख्यान कार्यक्रम भी आयोजित किए गये ।

4.6 संकाय उपलब्धि

दून विश्वविद्यालय की वर्तमान संकाय सदस्य संख्या 52 है। यह संकाय देश की विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। लगभग आधा संकाय सदस्य महिलाएं है, इसका पूरा विवरण निम्न तालिका में दिया गया है:

	पुरूष	महिला	कुल
नियमित संकाय	12	11	23
संविदात्मक	09	15	24
आगन्तुक संकाय	04	01	05

दून विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य लेखन, संपादन, पुस्तक खंडों में अध्याय जोड़ने, आलेख व लेख प्रकाशित कराने तथा सेमिनारों, सम्मेलनों व कार्यशालाओं के आयोजन और उनमें आलेख पत्र प्रस्तुतीकरण में तल्लीन रहते हैं इसके अलावा संकाय को विभिन्न एजेंसियों जैसे भा.कृ.अ.प. डीएसटी, सीएसआईआर,जीटीजेड ओर यूजीसी से बड़ी व छोटी अनुसंधान परियोजनाएं मिली हैं।

क. प्रकाशन

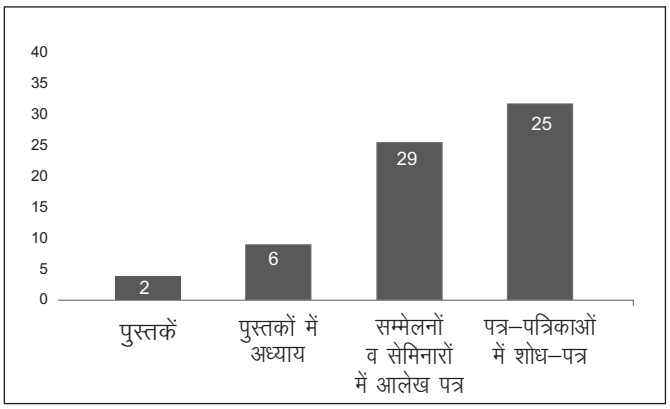

ख. अतिरिक्त म्यूरल अनुंसधान अनुदान

बड़ी परियोजनाएं	19
छोटी परियोजनाएं	0
कुल अनुदान	**रू. (2.1 करोड़)**

4.8 शैक्षणिक सहयोग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से शिक्षण और अनुसंधान के उन्नयन के लिए छात्र संकाय के आदान–प्रदान और संयुक्त अनुसंधान के रूप में विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित शैक्षणिक और अनुसंधान संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

1. वाडिया हिमालयन भूभर्गविज्ञान संस्थान, देहरादून (डब्ल्यूआईएचजी)
2. भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून (आईआईपी)
3. भारतीय सुदूरवर्ती संवेदी संस्थान, देहरादून (आईआईआरएस)
4. जर्मन सेंटर, एस ओ एल, दून विश्वविद्यालय का ओस्नाब्रक विश्वविद्यालय और सेविलिया विश्वविद्यालय तथा इंस्टिट्यूटों सेर्वेंट्स, नई दिल्ली के साथ (पाइप लाइन में)

5. अनुदान/शिक्षावृत्ति/छात्रवृत्ति

5.1 विश्वविद्यालय द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास हेतु प्राप्त अनुदान

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	शीर्ष	धनराशि लाख में	शासनादेश	
				संख्या	तिथि
1.	2005–06		70.00	277/XXIV(6)/2005	25.08.05
			100.00	872/XXIV(6)/2005	18.11.05
			200.00	956/XXIV(6)/2006	29.12.05
			375.18	319/XXIV(6)/2007	24.03.06
2.	2006–07		500.00	1011/XXIV(6)/2006	11.12.06
			500.00	1011/XXIV(6)/2006	22.01.07
			127.82	55/XXIV(6)/2007	09.02.07
			777.05	212/XXIV(6)/2007	21.03.07
			450.00	249/XXIV(6)/2007	21.03.07
				247/XXIV(6)/2007	28.03.07
3.	2007–08		407.25	212/XXIV(6)/2007	11.10.07
			200.00	649/XXIV(6)/2007	27.12.07
			50.00	212/XXIV(6)/2007	27.12.07
			150.00	28/XXIV(6)/2007	17.01.08
			361.75	56/XXIV(6)/2008	25.02.08
			200.00	128/XXIV(6)/2008	07.03.08
			1578.00	56/XXIV(6)/2008	07.03.08
4.	2008–09		700	56/XXIV(6)/2008	29.05.08
			441	103/XXIV(6)/2011	01.08.08
5.	2009–10		300	20(1)/XXIV(6)/2010	12.03.10
			500	86/XXIV(6)/2010	01.09.10
			1500	86/XXIV(6)/2010	
6.	2010–11		199.82	86/XXIV(6)/2010	10.12.10
			500.00	20/XXIV(6)/2011	01.09.10
			400.00	46/XXIV(6)/2011	25.03.11
7.	2011–12		200.00	46/XXIV(6)/2011	04.08.11
8.	2012–13		200.00	26(4)/XXIV(6)/2012	11.05.12
			200.00	26(4)/XXIV(6)/2012	24.11.12
			200.00	193/XXIV(6)/2013	14.03.13
			142.43	193/XXIV(6)/2013	25.03.13
			11530.30		

5.2 यूजीसी से प्राप्त अनुदान – 1.25 करोड़

5.3 शिक्षावृत्ति तथा छात्रवृत्ति

दून विश्वविद्यालय निर्धन तथा जरूरतमंद छात्र–छात्राओं की शिक्षावृत्ति/वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय समाज के पिछड़े वर्गों के योग्य छात्रों की पूरा या आंशिक ट्यूशन शुल्क की छूट पर विचार कर रहा है, जो कुल छात्र संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत छात्रों के लिए होगा।

विश्वविद्यालय योग्य छात्रों को भी वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है जो द्वितीय सेमेस्टर के अन्त में उनकी कार्यप्रगति के मूल्यांकन करने के बाद मैरिट शिक्षावृत्ति और अध्यापन व अनुसंधान सहायता के रूप में प्रदान की जाती है।

5.3.1 पंडित महानन्द डंगवाल (कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल) छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय ने इस शिक्षावृत्ति को दून विश्वविद्यालय के योग्य छात्र–छात्राओं के लिए प्रारंभ किया है, जिसे श्री ब्रिनन्दन डंगवाल, देहरादून द्वारा प्रदान की गई स्थाई निधि से दिया जाता है। यह छात्रवृत्ति 60 प्रतिशत छात्राओं को और 40 प्रतिशत छात्रों को प्रदान की जा रही है।

यह छात्रवृत्ति आरंभ में एक वर्ष के लिए ही दी जाती है तथा छात्रवृत्ति पाने के निर्धारित मानदंडों को पूरा करती है। छात्रवृत्ति की धनराशि 5000/– रू. प्रति माह निर्धारित है। अभी हाल ही में छः छात्रवृत्तियां विश्वविद्यालय के छात्रों को प्रदान की जा रही हैं।

5.3.2. दून विश्वविद्यालय छात्र सहायता निधि (डीयूएसएएफ)

डीयूएसएएफ प्रवेश के समय छात्रों से संकलित छात्र सहायता शुल्क तथा संस्थाओं, व्यक्तियों, केन्द्रीय/राज्य सरकार, चैरिटेबल ट्रस्टों आदि द्वारा योग्य एवं गरीब छात्रों की आर्थिक सहायता के प्रयोजन से प्रदान की गई निधियों/दान में से प्रदान की जाती है। इस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा संकलित धनराशि को अलग लेखा पुस्तिका में रखा जाता है और इस प्रकार की संकलित 70 प्रतिशत धनराशि को छात्रों की वित्तीय सहायता के लिए वितरित किया जाता है। 30प्रतिशत निधियां फिक्सड डिपोजिट लेखा में रखा जाता है और इससे मिलने वाले ब्याज की राशि को वित्तीय सहायता के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

1. डीयूएसएएफ निर्धनता, संतोषजनक शैक्षणिक निष्पादन और उत्तम चरित्र व व्यवहार के ऊपर निर्भर होगा।
2. डीयूएसएएफ प्रारंभिक अवस्था में प्रदान किया जाएगा। यदि छात्र–छात्रा दून विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में योग्यता सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करता है तो उसके लिए डीयूएसएएफ प्रदान करने पर विचार किया जाएगा इसके अलावा तीसरे, 5 वें ओर 9वें समेस्टर वाले छात्रों को डीयूएसएएफ देने पर विचार किया जाएगा।
3. डीयूएसएएफ छात्र को एक वर्ष तक ही स्वीकृत होगा।

6. शैक्षणिक संस्थान

6.1. पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान (एस0ई0एन0आर0)

दर्शनः पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान स्वतंत्र मूल्यों और स्वस्थ वातावरण का समेकन करने और उसे बनाए रखने का कार्य करता है जिससे यह टिकाऊ बना रहता है और इसमें समुदायों को जीवन्त बनाए रखने का कार्य होता है। एस.ई.एन.आर. प्राकृतिक रूप से व्यवस्थित पर्यावरण के प्रबंधन के लिए ज्ञान के सृजन और उसके प्रसार कार्य के लिए समर्पित है तथा साथ ही अध्यापन, अनुसंधान और प्रसार कार्य के माध्यम से उनके उत्पादों और सेवाओं का समुचित उपयोग करने के कर्तव्य का निर्वाह भी करता हे। पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान का उद्देश्य पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संबंधी मुद्दों पर विश्वस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त ज्ञान और नेतृत्व प्रदान करना है। इस संस्थान का व्यापक दर्शन अंतर्विषयी, नवोन्वेषी जानकारी प्राप्त करने में एक मार्गदर्शक की भूमिका में कार्य करना है जिससे समेकित विज्ञान को विकसित करने के आधार पर सामयिक पर्यावरणी समस्याओं का समाधान तलाशने के लिए उच्च कोटि के ज्ञान का सृजन हो सके जो भावी कुशल वैज्ञानिक नेतृत्व तैयार कर सके तथा विज्ञान व शिक्षा का इस प्रकार उन्नयन हो कि जिससे सक्रिय हरित अर्थव्यवस्था और एक स्थिर पर्यावरण में योगदान मिल सके।

मिशन : पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन संस्थान का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में उच्च प्रशिक्षण के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को पूरा करना है। इस प्रकार का प्रशिक्षण पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक और जीव वैज्ञानिक घटकों के क्षेत्र में अद्यतन पहलुओं को शामिल करते हुए समेकित बहुविषयी प्रयास से एक संरचित पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रयास किया जाएगा। जरूरत होने पर पर्वतीय पारिस्थितिकी के भूगर्भ आकृति विज्ञान, तथा सामाजिक–पारिस्थितिकीय व सामाजिक–सांस्कृतिक पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा और उन मुद्दों व समस्याओं को प्रदर्शित किया जाएगा जो इस प्रकरण के अध्ययन के ज्ञात होगा ।

संकाय सदस्यः

नाम	पदनाम
डा. जे.के.शर्मा, पीएचडी, पूर्व निदेशक, के एफ आर आई, पीचि, केरल	प्रौफेसर तथा डीन
डा. जी.बी.पंत, पीएचडी, पूर्व निदेशक, आई आई टी एम, पूणे	विजिटिंग प्रौफेसर
डा. सुरेंद्र सिंह सुथार, पीएचडी, जेएनवी विश्वविद्यालय	ऐसोसिएट प्रौफेसर
डा. सुनीत नैथानी, पीएचडी, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय	ऐसिस्टैंट प्रौफेसर
डा अर्चना शर्मा, पीएचडी, एचएनबी गढ़वाल, विश्वविद्यालय	ऐसिस्टैंट प्रौफेसर
डा कुसुम अरूणाचलम, पीएचडी, नेहू शिलांग	ऐसिस्टैंट प्रौफेसर
डा विजय श्रीधर, पीएचडी, जेएनयू, नई दिल्ली	ऐसिस्टैंट प्रौफेसर
प्रौ. ए.एन पुरोहित, पीएचडी, पूर्व कुलपति एफएनबी	ऐडजंक्ड प्रौफेसर
प्रौ. पी.एस. रामकृष्णन पीएचडी सेवामुक्त प्रौफसर	ऐडजंक्ड प्रौफेसर

शैक्षणिक सत्र 2012–2013 के दौरान एस ई एन आर में प्रविष्ठ छात्र–छात्राओं की संख्या

कार्यक्रम का नाम	कुल सीटें	प्रविष्ठ छात्रों की संख्या	छात्रों की संख्या	छात्राओं की संख्या
एमएससी पर्यावरण विज्ञान	20	09	03	06
एमएससी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	20	08	–	08
पीएचडी पर्यावरण विज्ञान	05	04	–	04

अनुसंधान व्यापक क्षेत्र

पर्यावरण प्रदूषण, जैव–संसाधन, जिसमें जैवविविधता, वानिकी, अक्षय व क्षय ऊर्जा संसाधन, पारिस्थितिकी और पारिस्थितिकीय नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, बायोरेमिडिएशन, भूमिति, भूगर्भ विज्ञान तथा हिमानी विज्ञान, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, पर्वत पारिस्थितिकी, जलीय जीव विज्ञान शामिल हैं ।

पीएचडी कार्यक्रम

एसईएनआर ने वर्ष 2011 से पर्यावरण विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम की शुरूआत करके बहुत बड़ी पहल की है। वर्तमान में प्रमुख रूप से अनुसंधान के क्षेत्र हैं– पर्यावरणीय सूक्ष्मजीवविज्ञान, सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिकी, पारिस्थितिकीय पुनःस्थापन, पर्यावरणीय प्रदूषण, जैव–संसाधन, जिसमें जैव विविधता जलीय विज्ञान, अपशिष्ट प्रबंधन, ईआईए, जलवायु परिवर्तन। भूमिति तथा वातावरणीय विज्ञान शामिल हैं। भूभर्ग विज्ञान, हिमानी विज्ञान, अक्षय और क्षय ऊर्जा संसाधनों में विश्वविद्यालय ने वाडिया हिमालयी भूगर्भ विज्ञान संस्थान तथा भारतीय पैट्रोलियम संस्थान, देहरादून के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हें। पर्यावरण विज्ञान और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग को पुनः सुदृढ़ बनाने के लिए केन्द्रीय मृदा एवंज ल संरक्षण अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, रूड़की तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के साथ संपर्क स्थापित किए जाते हैं। दो सेमस्टरों का अधिदेश प्राप्त पाठ्यक्रम कार्य के साथ नवोन्वेषी और अन्तर्विषयी डॉक्टोरल कार्यक्रम जिसके अंतर्गत अनुसंधान प्रविधि, विश्लेषणात्मक तकनीकें, पर्यावरणीय मॉडलिंग शामिल हैं, से व्यावसायीयों की नई पीढ़ी प्रशिक्षित होगी, जो प्रकृतिक ओर सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं व प्रयासों को समेकित करेंगी, जिससे प्राकृतिक संसाधनों और उभरती हुई पर्यावरण संबंधी समस्याओं का समाधान हो सकेगा। वर्तमान में पीएचडी. कार्यक्रमों में दस छात्रों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें से एक छात्र वाडिया हिमालयी भूगर्भ विज्ञान संस्थान के साथ भी संयुक्त रूप से पंजीकृत है।

प्रयोगशाला सुविधाएं

1. संस्थान की प्रयोगशालाओं में पर्यावरण विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में अनुसंधान कार्य सम्पादित करने के लिए पूर्ण सुविधाएं मौजूद हैं। संस्थान को प्रयोगशाला सुविधाएं जुटाने हेतु यूजीसी से 2 करोड़ रू. का अनुदान मिला था। इस समय संस्थान की प्रयोगशाला में सभी प्रकार के आधुनिक परिशोधित उपकरण उपलब्ध हैं, जैसे सीएचएनएस ऐनालाइजर, आईसीपी,आयोन क्रोमैटोग्राप, इन्फ्रारेड गैस एनालाइजर, एअर क्वालिटी मौनिटरिंग प्रणाली जीसीएम, एस एच पी एल सी, एस, ए लिकॉरसोयल रिस्पाइरोमीटर, पीसीआर, माइक्रोवेब डाइजेस्टर।
2. पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में शोध प्रबंध तैयार करने और अनुसंधान कार्य के लिए छात्रों की क्षमता बढ़ाने हेतु संस्थान में एक जी आई एस व सुदूर संवेदी प्रयोगशाला स्थापित की गई जिसमें 20 कंप्यूटर, चार वर्क स्टेशन व प्लोटर व स्कैनर मौजूद हैं। संस्थान द्वारा जी आई एस तथा आर एस प्रयोगशाला के लिए 10 लाइसेंस

4. डा. जे के शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय परामर्शता मिली है जिसका विषय है '' थाईलैंड'' में निजी भूमि के अंतर्गत स्थिर वन वृक्षारोपण के माध्यम से लकड़ी प्रसंस्करण उद्योगों के लघु और मध्यम उद्यमिताओं का उन्नयन'' पर थाईलैंड में एफ ए ओ, यू एन अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदायिता, दिस.–मार्च 2011, अक्तू–दिस. 2012।

जारी अनुसंधान परियोजनाएं

1. जलवायु समुत्थानी कृषि संबंधी राष्ट्रीय पहल द्वारा '' उत्तर पश्चिमी हिमालय के ग्राम पारिस्थितिकी प्रणाली में समुदाय चयनित जलवायु समुत्थानी पर्वतीय कृषि––। इस परियोजना की कुल लागत 34 लाख रू. है, अवधि – 3 वर्ष प्रमुख जांचकर्त्ता–डा. कुसुम अरूणाचलम।
2. यूजीसी द्वारा प्रायोजित ''उत्तराखंड के पर्वतीय कृषि पारिस्थितिकी प्रणालियों में कार्बन चक्रण के लिए फसल अपशिष्ट प्रबंधन'' संबंधी बड़ी अनुसंधान परियोजना। कुल लागत 10.65 लाख रू. अवधि 3 वर्ष। प्रमुख जांचकर्ता डा. कुसुम अरूणाचलम
3. डीएसटी द्वारा प्रायोजित ''राजस्थान और पंजाब के उत्तरी अर्ध–शुष्क क्षेत्रों को सघन खेती वाले भूजल में नाइट्रेट संदूषणः मूल्यांकन और बाधाग्रस्त क्षेत्र मानचित्रण'' संबंधी बड़ी अनुसंधान परियोजना। कुल बजट 18.55 लाख रू. अवधि 3 वर्ष। प्रमुख जांचकर्ता डा. एस0एस0सुथार

आयोजित सेमिनार

1. 25 नवम्बर, 2012 को विश्व संरक्षण दिवस समारोह

25 नवम्बर, 2012 को विश्व संरक्षण दिवस के अवसर पर छात्रों को वन्य जीवन संरक्षण एवं इसके महत्व पर एक फिल्म आधारित परिदृश्य प्रदर्शित किया गया। पोस्टर बनाने की एक प्रतियोगिता आयोजित की गई और सुन्दर पोस्टरों को कुलपति, दून विश्वविद्यालय द्वारा नकद पुरस्कार प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

2. विश्व पर्यावरण दिवस

दून विश्वविद्यालय में 'ग्रीन ऐक्शन टर्म औफ काश' पर्यावरण पर कार्य करने वाले एक गैर–सरकारी संगठन के सहयोग से 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया। वर्ष का विषय था– 'हरित अर्थव्यवस्थाः क्या यह आपको प्रभावित करती है? इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। छात्रों, अध्यापकों और कम्रचारियों द्वारा ग्रीन ऐक्शन टीम औफ ''काश'' के साथ कचनार, अमलतास, रजत बांज, रूद्राक्ष और गुलमोहर के लगभग 500 पौधे लगाए। इस अभियान का उद्घाटन प्रौफेसर वी.के. जैन, कुलपति द्वारा संकाय कार्यालय के सामने इलेकोकार्पस (रूद्राक्ष) के वृक्षारोपण के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रौ. जैन ने पर्यावरण के संरक्षण और परिरक्षण में जैव विविधता की भूमिका पर विशेष बल दिया। उन्होंने छात्र–छात्राओं को सलाह दी कि विश्वविद्यालय परिसर में और इसके चारों ओर अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाए, जिससे उनके पारिस्थितिकीय पदचिन्ह न्यूनतम हो सके और जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभाव को रोका जा सके ।

3. हरित विकास पर उत्तराखंड में युवा सेमिनार–सुचारू जीवन यापन के लिए युवाओं को तैयार करना।

हरित विकास पर उत्तराखंड में युवा सेमिनार–सुचारू जीवन यापन के लिए युवाओं को तैयार करने के प्रयोजन से पर्यावरण तथा प्राकृतक संसाधन संस्थान, दून विश्वविद्यालय तथा टीईआरआई, नईदिल्ली ने 5–6 मार्च 2013 को संयुक्त रूप से आयोजित किया। देहरादून के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 100 छात्र–छात्राओं ने इस सेमिनार में भाग भाग लिया। इस अवसर पर हरित अर्थव्यवस्था और स्थिर विकास विषय पर निबंध लेखन, पोस्टर बनाना और वादविवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

4. सुचारू पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए 'हरित प्रौद्योगिकी' पर राष्ट्रीय सेमिनार

एस ई एन आर द्वारा 22 व 23 मार्च 2013 के दौरान ''स्थिर पर्यावरण प्रबंधन के लिए हरित प्रौद्योगिकी'' पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन राज्य के महामहिम राज्यपाल डा. अजीज कुरेशी, कुलाधिपति द्वारा किया गया। सेमिनार में लगभग 230 अनुसंधान आलेख मौखिक और पोस्टर सत्र के लिए चुने गये जो सात विभिन्न विषयों के अंतर्गत थे जैसे – (i) जल एवं व्यर्थ बहने वाला जल उपचार (ii) ठोस अवशेष प्रबंधन तथा बायोरेमिडेशन प्रौद्योगिकी (iii) हरित रसायन विज्ञान तथा रासायनिक प्रौद्योगिकी (iv) हरित ऊर्जा तथा हरित भवन (v) वानिकी, स्थिर कृषि तथा भूमि सुधार, (vi) संसाधन संरक्षण पारिस्थितिकीय पर्यटन तथा सुचारू जीवन यापन और (vii) संसाधन, जलवायु परिवर्तन तथा पारिस्थितिकी प्रणाली की क्रियाशीलता।

स्थिति–निर्धारण पाठ्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण में संकाय सदस्यों का सम्मिलित होना

1. डॉ कुसुम अरूणाचलम डी एस टी द्वारा प्रयोजित ''जलवायु परिवर्तन पारिसिथितिकीय प्रणाली तथा जैव विविधता'' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 17 व 21 दिसत्र2012 को आई सी एफ आर ई, देहरादून में सम्मिलित हुई।
2. डीएसटी प्रायोजित ''जलवायु परिवर्तन और कार्बन न्यूनीकरण'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा. विजय श्रीधर 19–23 नवम्बर 2012 के दौरानआई सी एफआरई, देहरादून में सम्मिलित हुए।
3. डा सुनीत नैथानी 7 से 27 फरवरी 2013 के दौरान आईसीआई एस ओ डी, नेपाल में आयोजित हिमालय में माईकोई/सर्विर शिक्षावृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत जी आई एस, सुदूर संवेदी, जीपीएस तथा/या विशेष तकनीकों में कस्टोमाइज्ड क्षमता प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए।

आमंत्रित प्रवक्ता

1. पर्यावरण और प्राकृति संसाधनों के प्रमुख विषयों पर विशेष व्याख्यानों की एक श्रृंखला प्रारंभ हुई थी जिसमें अनेक प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया गया जैसे जुलाई 2012 में शैक्षणिक सत्र के प्रथम सप्ताह में आयोजित स्थिति–निर्धारण सप्ताह के दौरान प्रो. ए.एन पुरोहित, पूर्व कुलपति एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, डा. पी एस रॉय, निदेशक आई आई आर एस, डां एस पी एम कुशवाहा, वैज्ञानिक 'जी', आई आई आर एस, डां0 अवदेश गंगवार, सीईई लखनऊ को आमंत्रित किया गया।
2. डा. एम सी पोरवाल, वैज्ञानिक 'एफ' आई आई आर एस ने सितम्बर–दिसंबर 2012 के दौरान प्राकृतिक संसाधन मानचित्रण में सुदूर संवेदी तथा जी आई एस विषय पर अनेक व्याख्यान दिए।
3. प्रो. एस पी सिहं, पूर्व कुलपति एच एन बी गढ़वाल विश्वविद्यालय ने वैज्ञानिक लेखन विषय पर संकाय सदस्यों और एस ई एन आर के शोध छात्रों से एक वार्ता प्रस्तुत की ।
4. डा. पीटर कोल्स, एसजेंट इस्तवन विश्वविद्यालय, हंगरी ने प्यावरणीय प्रौद्योगिकी की संभावनाएं पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
5. प्रो. महेश कुमार सिंह, एसजेंट इस्तवन विश्वविद्यालय हंगरी ने 'पर्यावरणीय समस्याओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकिय समाधान' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया
6. डा पी. के मिश्रा, निदेशक, सी एस डब्ल्यू सी आर टी, ने उत्तराखंड हिमालय में मृदा व जल संरक्षण कियाएं'' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

सेवाओं पर प्रायोजित

3. श्री रिजवान, एमओईएफ वन्य विभाग में प्रायोजित प्रोजक्ट, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय
4. यूजीसी की नेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र
    1. कु. प्राची नौटियाल
    2. कु. प्रिया पोखरियाल
    3. कु. मनीषा चौहान
    4. कु. प्रियंका तोमर

छात्रों के लिए क्षेत्र व प्रभावन दौरे

एस ई एन आर के पी एच.डी और स्नातकोत्तर छात्र–छात्राएं 14 से 26 जन.2013 तक गोवा और बंगलौर की शैक्षणिक यात्रा पर गए। इन छात्रों ने गोवा में एनसीएओआर (राष्ट्रीय ऐन्टार्कटिक व समुद्री अनुसंधान केन्द्र),राष्ट्रीय महासागर विज्ञान संस्थान (एनआईओ) तथा गोवा विश्वविद्यालय देखा। बंगलौर में उन्होंने आई आई एस सी (भारतीय विज्ञान संस्थान), एफ आर एल एच टी, विश्वेश्वर्य औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकीय संग्रहालय, आई डब्ल्यू एसटी (इंस्टिट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी) तथा मृदा विज्ञान केन्द्र देखे। उन्होंने ऐंटार्कटिक और समुद्र अनुसंधान के क्षेत्र में विशेषज्ञ से विचार विमर्ष किया और जानकारी प्राप्त की तथा पारम्परिक ज्ञान एवं सामुदायिक भागीदारी, वुड साइंस व प्रौद्योगिकी आदि के विषय में भी जानकारी ली। एमएससी, पर्यावरण विज्ञान (द्वितीय समेस्टर) के छात्रों के एक समूह ने 14 से 18 अक्तू. 2012 के दौरान आर्यभट्ट अवलोकनीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान नैनीताल का दौरा किया जो एक प्रमुख संस्थान है। छात्रों ने प्लेकैटरी साइंस म्यूजियम का भी दौरा किया, जहां पर विभिन्न प्रकार के सेटेलाइट, रॉकेट प्रणाली, सौर प्रणाली गैलेक्सी निर्माण, चन्द्र व सूर्यग्रहण आदि के नमूनों को प्रदर्शित किया गया है। इस दौरे में उन्होंने प्रयोगशाला संबंधी तकनीकी विवरण भी लिया जिसमें विभिन्न उपकरणों की कार्यप्रणाली, सौर विकीरण के विभिन्न प्राचलों को रिकार्ड करना, टेलिस्कोप से रात्रि के आकाश में सूर्य की सतह का अवलोकन आदि भी किया तथा विवरण को नोट किया। ऐरीज के वैज्ञानिकों द्वारा ओजोन मापन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन भी किया गया।

6.2 जनसंचार संस्थान (एस0ओ0सी0)

दर्शनः सम्प्रेषण और मीडिया क्षेत्र काफी आगे बढ़ गया है और आगामी दशकों में इसका विस्तार होता रहेगा। एक ओर सूचना और सम्प्रेषण निर्गत के सृजन और उपयोग की प्रक्रिया में उद्योग एक वास्तविक विस्फोट का साक्षी रहा है, तो दूसरी ओर चुनौतियों का सामना करने के लिए बौद्धिक और व्यावसायिक कौशल की मांग उमड़ रही है और संप्रेषण क्रांति की परिवर्तनकारी शक्तियों द्वारा अवसर प्राप्त हुए हैं। दून विश्वविद्यालय का सम्प्रेषण संस्थान नये–नये विषयों के अध्ययन के लिए उदार शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से इन चुनौतियों का प्रत्युत्तर है तथा प्रौद्योगिकियों और संप्रेषण प्रक्रियाओं के रूपान्तरण से बहुत से मौजूदा व्यावसायिक कैरियर बनाने हेतु छात्रों को प्रशिक्षित करने का एक माध्यम है।

मिशनः सम्प्रेषण संस्थान उत्तरदायी और सामाजिक रूप से दायित्वपूर्ण संप्रेषण पत्रकार तैयार करने का दायित्व निभाएगा ऐसे सूचनाकार जिन्होंने मीडिया और सम्प्रेषण के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक सार्थक ज्ञान अर्जित किया हो, जिससे वे हर स्तर पर समाज–सेवा में समर्पित हो सकें।

इस संस्थान में मीडिया और सम्प्रेषण के क्षेत्र में अनेक शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए गए, जैसे– पत्रकारिता, सामाजिक और विकास सम्प्रेषण, विज्ञापन जन सम्पर्क, छाया चित्रण, रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म, ऐनिमेशन, ग्राफिक डिजाइन, मल्टिमीडिया, मीडिया प्रबंधन और अनुसंधान। ये कार्यक्रम पाठ्यक्रम काफी व्यापक हैं तथा अंतरविषयी है जो सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों पक्षों को संतुलित रखते हैं। पाठ्यक्रम छात्रों के अनुकूल रखे गये हैं जो सिद्धांत और व्यवहार की अवधारणा से उन्हें सम्प्रेषण विषय की विभिन्न धाराओं से अवगत कराते हैं तथा सभी संबद्ध कार्यकुशलता वाले क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कराते हैं और इससे छात्र एक क्षेत्र में विशेषता हासिल करके सम्प्रेषण और मीडिया की दुनिया में प्रवेश करते हुए रोजगार पा लेते हैं। इसके व्यावसायिक पहलू पर जोर देते हुए इस कार्यक्रम से छात्र किसी संबद्ध संगठन में इंटर्नशिप स्थापन होने से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर लेते हैं, वे मीडिया और सम्प्रेषण क्षेत्र के अग्रणी व्यावसायियों से संपर्क स्थापित कर लेते हैं जिनके माध्यम से उन्हें कोई उचित कार्य मिलने व स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

संकाय सदस्य

नाम	पदनाम
डा. राजेश कुमार, पीएचडी, बीआरएबीयू, मुजफ्फरपुर	ऐसोसिएट प्रौफसर
डा. तपस रे, पीएचडी, बेलावर, न्यूयॉर्क, यूएसए	विजिटिंग प्रौफसर
सुश्री राशि मिश्रा, एमएससी जन संचार	ऐसिस्टैंट प्रौफसर
श्री नितिन कुमार, एम ए जन संचार	ऐसिस्टैंट प्रौफसर
डा हरीश कुमार, पीएचडी, बीएचयू	ऐसिस्टैंट प्रौफसर
श्री शिव प्रसाद जोशी	अतिथि संकाय
कु. जसकिरन चोपड़ा	अतिथि संकाय
सुश्री शालिनी जोशी	अतिथि संकाय
श्री प्रणय सर्पाल	अतिथि संकाय

एसओसी में वर्ष सत्र 2012–13 के दौरान प्रविष्ठ छात्रों की संख्या

कार्यक्रम का नाम	कुल सीटें	प्रविष्ठ किए गए छात्रों की संख्या	छात्रों की संख्या	छात्राओं की संख्या
पंचवर्षीय समेकित एम ए सम्प्रेषण	60	36	18	18
दो वर्षीय एम ए सम्प्रेषण	40	09	03	06

इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रोडक्शन केंद्र

संस्थान में आधुनिक सुविधाओं से भरपूर मीडिया प्रोडक्शन केंद्र उपलब्ध है, जिसमें मीडिया उद्यम द्वारा प्रयोग की जाने वाली अद्यतन ठोस प्रौद्योगिकी मौजूद है। केंद्र में एक टी.वी. स्टुडियो हैं, जिसके अंतर्गत एक 26x36 फीट का शूटिंग तल है, जिसमें मल्टि कैमरा प्रोडक्शन का कार्य होता है । डिजिटल छायाचित्रण के लिए पर्याप्त कैमरे और उच्च कोटि के वीडियो कैमरे पूरे साजो–समान सहित आउटडोर व स्टूडियो शूटिंग के लिए उपलब्ध है। प्रोडक्शन के अन्य उपकरणों में ऐबोड सौफ्टवेरय तथा अंतिम कर वाली प्रो–नौन लीनियर सम्पादन मशीनें शामिल हैं। अतिरिक्त सुविधाओं में डिजिटल ऑडियो कार्य केन्द्र, ध्वनि रिकार्डिंग, सम्पादन सुविधाएसं, मल्टिमीडिया प्रयोगशाला जिसमें संबद्ध सौफ्टवेयर शामिल है जो प्रिंट पत्रकारिता और स्टिल छायाचित्रण यूनिटों में काम आता है। ईएमपीसी आपकी प्रोडक्शन सुविधाओं को समय–समय पर अद्यतन करता आ रहा है, क्योंकि परिवर्तनशील प्रौद्योगिकी और व्यवसाय की मांग के साथ समावेश रखना आवश्यक हैं इस केन्द्र में एक मीडिया लाइब्रेरी भी स्थापित की जाएगी, जिसमें छात्रों और शोधकर्ताओं के उपयोग हेतु बड़ी संख्या में पुस्तकों का संकलन, पत्र–पत्रिकाएं, फिल्में, वीडियो, स्टॉक शॉट्स और समाचार पत्रों की कतरनों का संचयन मौजूद होगा।

अनुसंधान प्रकाशन

1. कुमार आर (2012), रूरल इन्फौर्मेटिक्सः यूज औफ इंफौर्मेशन ऐंड कम्यूनिकेश्न टेक्नालॉजी फॉर रूरल पोअर–फ्रौम डिजिटल डिवाइड टु डिजिटल अपौर्चनिटीज इन रूरल इंडिया, मीडिया एशिया वौ.39 (14) :183–190
2. कुमार आर (2013), सोसायटी मीडिया, कम्यूनिकेश्न ऐंड डेवलपमेंट लिंकजेजः ऐन ऐनालिसिस आफॅ ऐंग्लो– सैक्सोन थ्योरीज इन द कंटेक्स्ट ऑफ डेवलपिंग कंट्रीज, जर्नल ऑफ मीडिया ऐंड कम्युनिकेशन स्टडीज, वौ.5 (3) :25–34
3. कुमार आर (2012), न्यूजपेपर्स इन द डिजिटल एजः चैलेंजेज ऐंड अपौर्चुनिटिज, एशियन जर्नल औफ रिसर्च इन सोसियल सांइसेज ऐंड ह्यूमैनिटीज, वौ. 3 (5) :66–70

पुस्तकों में अध्याय

1. कुमार आर (2012): ' मास मीडिया फौर रूरल एजुकेशनः ऑर्गनाइजेशन ऐंड प्लानिंग विदिन फौर्मल ऐंड इंफोर्मल एजुकेशन' इमर्जिंग इसूज ऐंड चैलेंजेज इन एजुकेशन के वौ.1 में एक अध्याय प्रकाशित राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, आई एस बी एन 978–81–7487–807–6

नयी स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं

1. डा. राजेश कुमार को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा ' आईसीटीयूजेज वाई द यूथः इंपरेटिव्स ऑफ पेरेंटल इन्टरवेंशन' विषय पर एक बड़ी परियोजना दी गई ।
2. डा. राजेश कुमार को यूजीसी द्वारा ''पोजिशनिंग कम्युनिटी रेडियो ऐज ए कम्युनिकेशन टूल फौर डेवलपमेंट– उत्तराखंड में भागीदारी करने वाले समुदाय के विकास हेतु सामुदायिक रेडियो की भूमिका और सार्थकता का अध्ययन।

जारी अनुसंधान परियोजना

1. आईसीएसएसआर द्वारा ''यूजेज ऐंड ग्रेटिफिकेशन ऑफ फेसबुकः ए सर्वे स्टडी ऑन यूजेज ऑफ सोसियल मीडिया एमंग्स्ट संस्थान गोइंग टीनेजर्स इन द सिटी ऑफ देहरादून'' विषय पर बड़ी अनुसंधान परियोजना आई एन आर 4.5 लाख, पीआईःकु.राशि मिश्रा

सम्मेलन/सेमिनार में प्रस्तुत आलेख

1. डा. राजेश कुमार ने इग्नो, दिल्ली में ' ग्रामीण समुदाय की समषद्धि और सशक्तिकरण के लिए सामुदायिक रेडियोः उत्तराखंड के देहरादून जनपद के मोथोरोवाला गांव का एक प्रकरण अध्ययन' विषय पर एक अनुसंधान आलेख की प्रस्तुति की।
2. डा. हरीश कुमार ने जनसंचार संस्थान, गुरूगोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन में '' भारत में सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका'' शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया।

विविध कार्यकलाप/उपलब्धियां

1. ''रंगों में भारत'' प्रतियोगिता 18 मई को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लाक में आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रौ वी के

जैन थे । इसका आयोजन सम्प्रेषण संस्थान की ऐसिस्टेंड प्रोफेसर सुश्री राशि मिश्रा ने किया था। इसके विजयी प्रतिभागी थे, श्री अचिन रावत (एसओसी) प्रथम, कु. मेघा (एसईएनआर) द्वितीय तथा कु. सोनाली गुसाईं (एसओसी) तष्तीय स्थान पर रहीं।

2. काडमांडु विश्वविद्यालय, नेपाल से 14 जून 2012 को दो संकाय सदस्यों श्री निर्मल मणि अधिकारी और श्री खगेन्द्र आचार्य के साथ 17 छात्र दून विश्वविद्यालय के दौने पर आए। इन छात्रों के साथ सम्प्रेषण संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों का एक सम्पर्क सत्र रखा गया । उन्होंने इस संस्थान के इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रोडक्शन केन्द्र का भी अवलोकन किया।

छात्रों की उपलब्धियां

एसओसी के निम्न छात्रों ने यूजीसी नेट/जेआरएफ (2012–13)उत्तीर्ण किया।

1. मुकेश चन्द्र देवरारी
2. गिरिजा शंकर सेमवाल
3. शशांक तिवारी
4. पियासी हिमानी
5. विनोद सिंह पंवार
6. नेहा वत्सल

छात्रों का स्थापन

1. मुकेश चंद्र देवरारी – ऐसिस्टैंट प्रौफेसर केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में सहायक प्रोफेसर
2. अपूर्वा थपलियाल – जन संपर्क अधिकारी, आईएम ए, देहरादून
3. नवीन रावत – ग्राहक सेवा प्रबंधक, मुद्रा, देहरादून
4. आस्तिक थपलियाल– एंकर कम्युनिटि रेडियो, ग्राफिक इरा यूनिवर्सिटी देहरादून

6.3 सामाजिक विज्ञान संस्थान(एस0ओ0एस0एस0)

उद्देश्यः– सामाजिक विज्ञान संस्थान के अर्थशास्त्र विभाग का उद्देश्य उच्च शिक्षा क्षेत्र में सतत विकास सकेन्द्रित वैश्विक आर्थिक चुनौतियों से निपटने हेतु वर्तमान समय की सामाजिक तथा आथिक वास्तविकताओं को एक विविध–आयामी ढांचे में रखते हुये उत्कृष्ट केन्द्र के रुप में विकसित होने को है।

लक्ष्य/मिशन :– अपने उद्देश्य का अनुसरण करते हुये अर्थशास्त्र विभाग आधुनिक तकनीकों तथा पद्धतियों का प्रयोग कर शिक्षण तथा अनुसंधान विश्लेषण तथा सामातिक एवं आर्थिक मुद्दों /विषयों को एक युग्मित /संयुक्त तथा व्यापक रुप से प्रतिमान/मॉडल स्थापित करने हेतु शोध गतिविधियां निपुण, समर्पित तथा अनुभवी संकाय तथा विशेषज्ञों को उपलब्ध कराता है।

संकाय/स्टाफ

1	डॉ0 सिबाशंकर मोहन्ती, जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर
2	शिखा अहमद, एम0ए0, गुवाहाटी विवि	असिसटेन्ट प्रोफेसर
3	डॉ0 मधु बिष्ट, हे0न0ब0 गढ़वाल विवि	असिसटेन्ट प्रोफेसर
4	डॉ0 राजलक्ष्मी दत्ता, पी0एच0डी0 हे0न0ब0 गढ़वाल विवि	असिसटेन्ट प्रोफेसर
5	प्रो0 बी0के0 जोशी, पूर्व कुलपति कुमाऊँ विवि	एडजंक्ट प्रोफेसर
6	प्रो0 मनोज पंत, स्कूल ऑफ इन्टरनेशनल स्टडीज, जेएनयू दिल्ली	एडजंक्ट प्रोफेसर
7	प्रो0 एस0पी0सिंह आई0आई0टी0 रुड़की	एडजंक्ट प्रोफेसर
8	डा0 संजय थापा	अतिथि व्याख्याता

शैक्षणिक विषयकः– सामाजिक विज्ञान संस्थान में स्नात्कोत्तर श्रेणी में दो वर्षीय एम0ए0 इकोनोमिक्स एवं 5 वर्षीय समेकित एम0एस0सी0 इकोनोमिक्स का का पाठ्यक्रम चलाया जाता विभाग में अर्थशास्त्र के सिद्धान्तो के साथ–साथ पर्यावरण तथा संसाधन प्रबन्धन और वाणिज्य शास्त्र की विशेषज्ञता उपलब्ध है।

शिक्षा सत्र 2012–13 में सामाजिक विज्ञान संस्थान (School of Social Sciences) में दाखिल छात्र/छात्राओं की संख्या।

पाठयक्रम का नाम	कुल सीटें	कुल दाखिल छात्र/छात्राओं की संख्या।	छात्रों की संख्या	छात्राओं की संख्या
एम0एस0सी0 समेकित	45	38	10	28
एम0ए0	20	8	6	2

संकाय सदस्यों की उपलब्धि

पुरस्कार/सम्मान

सिबा शंकर मोहन्ती द्वारा '' इकोनोमी, इकोलोजी, एण्ड वैलबींइंगः सम इन्टरकनेक्शन्स इन द कान्टेक्ट्स मैरिन फिशरीज इन ओडिसा नामक विषय पर जनवरी 2013 में जवाहर लाल नेहरु विवि में अपनी पी0एच0डी0 प्रस्तुत की।

सम्मेलनों/कार्यशालाओ/पेपर प्रस्तुतीकरण /आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुतीकरण में सहभागिता।

1. शिखा अहमद ने ग्राफिक एरा पर्वतीय विश्वविद्यालय, देहरादून में 2013, 10 वीं और 11 जून को ओपन शैक्षिक संसाधन पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

2. शिखा अहमद द्वारा दून विवि देहरादून एवं उत्तराखण्ड मुक्त विवि हल्द्वानी द्वारा संयुक्त आयोजित समकालीन और भविष्य आईटी पहल और हस्तक्षेपों पर राष्ट्रीय सम्मेलन मे ''IDSS फॉर टूरिज्म : एन आई0टी0 इनिशियेटिव फॉर डेवलपमैन्ट ऑफ माउन्टेन ऑफ उत्तराखण्ड'' पर पेपर प्रस्तुत किया।

3. शिखा अहमद द्वारा दून विवि देहरादून में मार्च 22–23 2013 को आयोजित सतत पर्यावरण प्रबन्धन के लिये ग्रीन टैक्नोलोजी पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''इन्टेलिजेन्ट डिसिजन सपोर्ट सिस्टम इन टूरिज्मः अ टूल फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड एण्ड इनवायरन्मेन्टल मैनेजमैन्ट इन माउन्टेन'' शीर्षक का पेपर प्रस्तुत किया गया।

4. शिखा अहमद दून विवि देहरादून व पी0एच0डी0 चैम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दिनांक 21 एवं 22 दिसम्बर 2012 को '' सोशल ईन्टरप्रीनियोरशिप एण्ड स्ट्रेटिजिक सी0एस0आर0 लिनकेजेज'' विषय पर आधारित सम्मेलन में प्रतिभाग किया।

5. सिबा शंकर मोहन्ती द्वारा भारतीय सोसाईटी ऑफ लेबर इकोनोमिक्स जे0एन0यू0 नई दिल्ली (2013) के 55 वे सम्मेलन '' टैक्नोलोजिकल एक्सपेन्शन एण्ड सम की लेबर मार्केट आउटकम्स इन मैरिन फिशीरीज इन ओडिसा विषयक पेपर प्रस्तुत किया।

6. सिबा शंकर मोहन्ती ने सेन्टर फॉर बजट एण्ड गर्वन्मैन्स एकाउन्टबिलिटी नई दिल्ली 2013 द्वारा आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में टैक्स पालिसीज एण्ड डैवलपमैन्ट नामक विषय पर '' टैक्सेशन पालिसीज एण्ड डैवलपमैन्ट : चैलेन्ज एण्ड इमरजिन्ग आपोर्चिनिटीज– द केस ऑफ इण्डिया'' पेपर प्रस्तुत किया।

7. सिबा शंकर मोहन्ती ने सेन्टर फॉर बजट एण्ड गर्वन्मैन्स एकाउन्टबिलिटी नई दिल्ली 2012 द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बजट आस्क्स ऑन अनआर्गेनाज्ड सेक्टर वर्कर्स : पापुलर आसपिरेसनस द नेशलन कन्वेनशन'' विषयक पेपर प्रस्तुत किया।

8. सिबा शंकर मोहन्ती ने जे0एन0यू0 विवि नई दिल्ली 2012 द्वारा आयोजित सोशल सिक्योरिटी एण्ड पेन्शन फोर इण्डियाज अनऑर्गेनाइज्ड सेक्ट वर्कर्स : कान्टेक्सट्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में'' प्रोविजन फोर सोशल सिक्योरिटी विदइन द स्कोप ऑफ यूनियन बजट इन इण्डिया'' पेपर प्रस्तुत किया।

संस्थान में व्याख्यान आमंत्रित

1. प्रो0 पुरना समान्था यूनिर्सिटी ऑफ नैरोबी द्वारा '' ए फिलोस्पी ऑफ करप्शनः द रिसेन्ट लिबोर स्कैण्डल एण्ड फ्यूचर ऑफ इकानोमिक सांइस '' विषय पर 26 नबम्बर 2012 को व्याख्यान प्रस्तुत किया।

छात्रों की उपलबधियाँ

1 अतुल सिंह एम0ए0(बैच 2010–2012) ने यूसेट परीक्षा 2012 उत्तीर्ण की।

2. पूजा एम0ए0 (बैच 2011–2013) डा0 भीमराव अमबेडकर यूनिवर्सिटी से पी0एच0डी0 कर रही हैं।

3. दून विवि के सामाजिक विज्ञान संस्थान के छात्र/छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियो तथा खेलकूद में प्रतिभाग किया गया। प्रथम राजीव गांधी अन्तर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में समूह नृत्य, समूहगान, क्षेत्रीय समूह नृत्य, समूहगान तथा फुटबाल, शतरंज, टेनिस, बैडमिन्टन, वालीबाल, तथा बास्केटबाल आदि ,खेलो में प्रतिभाग किया। छात्र/छात्राओं द्वारा क्षेत्रीय समूह नृत्य पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया व क्षेत्रीय समूहगान में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

4. छात्रों द्वारा 20 अक्टूबर 2012 को आयोजित शतरंज प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त किया।

5. दून विवि के सामाजिक विज्ञान संस्थान के छात्रों द्वारा लगातार अन्तर विद्यालय प्रतियोगिता में लगातार दूसरे वर्ष जीत हासिल की।

6.4 भाषा संस्थान (एस0ओ0एल0)

उद्देश्यः– भाषा संस्थान दून विवि युवा भारतीयों को विभिन्न देशों की प्रमुख भाषा सीखाने के लिये उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रथम शुरुआती चरणों में तीन प्रमुख भाषायें '' चाइनीज'' , ''जर्मन'' व स्पेनिश आरम्भ की गई। पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य छात्र/छात्राओं को विभिन्न तकनीको/आडियो–वीडियों चित्रण एवं प्रयोगात्मक तरीकों से विदेशी भाषा में लिखने व पढ़ने में दक्षता प्राप्त करवाना है। यद्यपि यह पांच वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम है तथापि यदि 6 सत्रों को पूर्णरुप से उत्तीर्ण करने पर कोई चाहे तो वह स्नातक की डिग्री प्राप्त कर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है। वर्तमान में दून विवि पांच वर्षीय समेकित चाइनीज, पांच वर्षीय समेकित जर्मन, पांच वर्षीय समेकित स्पेनिश पाठ्यक्रम चला रहा है। आगामी साल में कुछ और विदेशी भाषा के पाठ्यक्रमों का संचालन किया जायेगा।

संकाय/स्टाफ		
1	डॉ0 मिनि साहनी, पी0एच0डी0 जेएनयू दिल्ली	प्रोफेसर एवं इनचार्ज/विभागाध्यक्ष
2	डॉ0 आर0एन0 शर्मा, पी0एच0डी0, डी0यू0	एसोसियेट प्रोफेसर
3	सुश्री तन्वी नेगी, एम0ए0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (चाइनीज)
4	श्री मधुरेन्द्र कुमार झा, एम0ए0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (चाइनीज)
5	श्री उदय सिंह कुवंर एम0ए0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (चाइनीज)
6	सुश्री माला शिखा, एम0ए0 जेएनयू यूरोपियन कमिशन्श इरास्मस मुण्डस मास्टर्स	असिसटेन्ट प्रोफेसर (स्पेनिश)
7	श्रीमती स्वागता बसु एम0फिल0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (स्पेनिश)
8	श्रीमती अदिति मेहरोत्रा, एम0ए0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (स्पेनिश)
9	श्री चन्द्रिका कुमार एम0फिल0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (जर्मन)
10	सुश्री जसप्रीत कौर लयाल, एम0फिल0 जेएनयू दिल्ली	असिसटेन्ट प्रोफेसर (जर्मन)
11	श्रीमती मर्सीडीज एलान्सो गार्सिया	अतिथि व्याख्याता
12	श्रीमती टान जुआन	अतिथि व्याख्याता
13	डॉ0 इशानी घोषाल, पी0एच0डी0 राजस्थान विवि	अतिथि व्याख्याता

शिक्षा सत्र 2012–13 में भाषा संस्थान (School of Languages) में दाखिल छात्र/छात्राओं की संख्या।

पाठयक्रम का नाम	कुल सीटें	कुल दाखिल छात्र /छात्राओं की संख्या।	छात्रों की संख्या	छात्राओं की संख्या
एम0ए0 समेकित चाइनीज	20	15	6	9
एम0ए0 समेकित स्पेनिश	20	15	5	10
एम0ए0 समेकित जर्मन	20	11	3	8

नये पाठ्यक्रम की शुरुआत

जापानी भाषा में पूर्णकालिक (5 साल के समेकित कार्यक्रम) पाठ्यक्रम को भाषा संस्थान में पेश किया जायेगा। यह पाठ्यक्रम जुलाई 2013 में दून विवि द्वारा प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

दून विवि के आगामी शिक्षा सत्र मे एडवांस्ड इंगलिश नाम का नया कोर्स भाषा संस्थान शुरु कर दिया जायेगा।

संकाय सदस्यों की उपलब्धि

पुस्तकों/शोध प्रकाशन

1. डा0 आर0एन0 शर्मा द्वारा '' मार्क्स आन चाइना'' शीर्षक पुस्तक लिखी गई। जो कि अभी प्रकाशित होने वाली है। उन्होंने इसके अलावा '' इवालयूशन रिफोर्म एण्ड मॉडर्नाइजेशन आफ चाइनीज लेन्गवेज '' विषय पर सितम्बर 2012 में पैट्रो विवि में व्याख्यान दिया है।

2. मधुरेन्द्र कुमार झा (2013) द्वारा '' राजकपूर और उनकी फिल्मे'' : द कन्फल्यूएन्स ऑफ सोशलिज्म, हयूमेनिज्म, एण्ड इरोटिकेज्म, '' पेपर धवनीजरनल आफ कोओपरेटिव लिटिरेचर, हैदराबाद विवि जनवरी (2013) में प्रकाशित हुआ।
3. स्वागताबसु (2012) '' आई एम मेड बाई माई अदर माइग्रेशन्स, ''अदर्स'' एण्ड आयडेन्टिटि इन कन्टेम्परेरी स्पेनिश नावल '' अनुरुद्ध चक्रबर्ती बारु एण्ड हेमन्त केआर0 नाथ (ED.) प्रोब्लेमेटिक आन ऐथिनीसिटी आईडेटिटी एण्ड लिटिरेचर (ISEIL-2012) Pg. 124-31. ISBN: 978.81.924140
4. चन्द्रिका कुमार (2012), One Master in Praise of the other: Stefan Zweig's Account of Charles Dickens. In: eDhavani UoH Journal of Comparative Literatur, Issu: July 012. ISSN: 2279-0209.
5. चन्द्रिका कुमार (2012)- Nazan Eckes' Novel Guten Morgen Abendland: an account of Emergence of
Ethnic Turkish identity IN German Society in Anuradha Chakrabartybarua and Hemanta KR. Nath (ED). Problematic on Ethnicity, Identity and literature (ISEIL-012) Pg. 94-298. ISBN: 978-81-94140-5-8.
6. जसप्रीत कौर लयाल (2012)- Jaspreet Kaur Layal (2012). Die Übersetzung der fantasievollen Kunst des Schreibens: die Erstellung einer interkuturellen Tintenwelt am Besispiel der ins Englische übersetzten Tintenwelt Trilogie von Cornelia Funke. : German Studies in India "INDO-GERMAN"

सेमिनारों / कार्याशालाओं / पेपर प्रस्तुतीकरण / अथिति व्याख्यान में सहभागिता।

1. श्री मधुरेन्दु कुमार झा ने '' आन द ग्रोइंग इम्पोर्टेन्स आफ चाइनीज एज अ फॉरेन लेन्गुएज इन इण्डिया एमड द रिवाइवल आफ कल्चरल एण्ड मैटेरियल लिन्केजेज बिटवीन इण्डिया एण्ड चायना'' नाम विषय पर अन्तराष्ट्रीय सेमिनार '' इम्प्लायबिलिटि इन्हान्समेन्ट थ्रेा प्रोफिसियेन्सी इन इण्डियन एण्ड फारेन लेन्गुएजेज'' मं अपना पेपर प्रस्तुत किया। इस सेमिनार का आयोजन मार्डन कालेज आफ आर्ट्स सांइस एण्ड कामर्स पुने द्वारा दिनांक 28 से 30 जनवरी 2013 के बीच किया।
2. सुश्री माला शिखा द्वारा ''"Saudade in Don Quijote's journey: a quest for exemplarity" organized by the Centre of Spanish, Portuguese, Italian and Latin American Studies, SLL&CS, Jawaharlal Nehru University, New Delhi on February 13-14, 2013 में अपना पेपर प्रस्तुत किया।
3. सुश्री माला शिखा द्वारा ''अन्डरस्टैन्डिंग कान्टेक्स्ट थ्रो टैक्स्टः इन्टर रिलेटेडनेस आफ लैन्गुएज एण्ड लिटिरेचर 'नाम विषय पर अन्तराष्ट्रीय सेमिनार '' MAG/I/C मैथ्ड्स ऐस्थेटिक्स एण्ड जेनरेस इन इग्लिश कम्यूनिकेशन (जनवरी 5 एवं 6 2013) में अपना पेपर प्रस्तुत किया। जिसका आयोजन सेन्टर फॉर प्रोफेशनल कम्यूनिकेशन द यूनिर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड इनर्जी स्टडीज देहरादून द्वारा किया गया।
4. श्रीमती स्वागता बसु द्वारा ''रिस्पोन्स टू मुस्लिम इमिग्रेशन इन स्पेन मैप्ड थ्रो सिनेमा'' नामक विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार'' मुस्लिम इन द मेकिंग आफ स्पेनिश कल्चरल आइडेन्टिटी' में अपना पेपर प्रस्तुत किया। जिसका आयोजन सेन्टर फार यूरोपियन एण्ड लैटिन अमेरिकन स्टडीज जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली द्वारा 19 मार्च 2013 को किया गया।
5. सुश्री अदिती मेहरोत्रा द्वारा ''लिंकिंग फोरन लैन्गुएज टीचिंग, कल्चरल सेन्सिटिविटी एन इम्प्लायबिलिटी : एन एनालायसिस आफ द वेरियस इनीशियेटिव इमर्जिंग ग्लोबली हाईलाइटिंग द नीड फार कल्चरल सेन्सिटिविटि '' नामक विषय पर अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन '' इम्प्लायबिलिटि इन्हान्समैन्ट थ्रो प्रोफेशियेन्सी इन इण्डियन एण्ड फारेन लैन्गुएज ''में अपना पेपर प्रस्तुत किया। जिसका आयोजन मार्डन कालेज आफ आर्ट्स सांइस एण्ड कामर्स पुने द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2013 को किया गया था।
6. श्री चन्द्रिका कुमार द्वारा ''Eine Kritische Auseinandersetzung mit der Karl-May-Rezeption in India" uked fo'k; ij vUrjk'Vªh; lsfeukj ** Charles Sealsfield, Friedrich Gerstacker, Karl May and andere bearbeitet, Obersetzt, intermedial at the Osterreichische Gesellschaft fur Literatur, Herrengasse 5, A1010 Wien (AUSTRIA). 3rd 5th October. 2012 में अपना पेपर प्रस्तुत किया।
7. श्री चन्द्रिका कुमार द्वारा ''"Nazan Eckes" Novel Guten Morgen Abendland: An Account of Emergence of Ethnic Turkish Identity in German Society" नामक विषय पर अन्तराष्ट्रीय सेमिनार '' on Ethnicity. Identity and Literature, शिव सागर कॉलेज, आसाम 11जी 14जी ब्जवइमतए 2012 में अपना पेपर प्रस्तुत किया।
8. सुश्री माला शिखा द्वारा 2 दिवसीय कार्यशाला II ENCUENTRO PRÁCTICO DE PROFESORES DE ELE EN LA INDIA: "Explotación de materiales audiovisuales en el aula" held at Instituto Cervantes, New Delhi on November 23-24, 2012. में प्रतिभाग लिया।

अन्य उपलब्धियां।

1. डा0 आर0एन0 शर्मा को ''कन्टेम्परोरी बुद्धिज्म'' विषयक एक सम्मेलन में सह संयोजक बनाया गया। जिसका आयोजन इण्डियन सोसायटी फॉर बुद्धिज्म तथा दून विवि के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।
2. डा0 आर0 एन0 शर्मा द्वारा महात्मा गांधी अन्तराष्ट्रीय हिन्दी विवि वर्धा गुजरात के लिये चाइनीज विषय पर पेपर हेतु प्रश्नों का निर्माण किया।
3. सुश्री माला शिखा इग्नू की स्पेनिश भाषा के सर्टिफिकेट कोर्स की तैयारी के लिये बनाई गई विशेषज्ञ समिति की सदस्य हैं। जिसकी बैठक इग्नू नई दिल्ली में सितम्बर 21, 2012 को हुई थी।

भाषायी संस्थान में आमंत्रित व्याख्यान

1. प्रो0 डा0 वोल्फगैंग ब्रॉनगार्ट (बेइफिल्ड विवि) ने भाषायी संस्थान के जर्मन विभाग में अतिथि व्याख्याता के रुप में (दिनांक 17 से 30 मार्च 2013) भ्रमण किया।
2. प्रो0 डा0 चित्रा हर्षवर्धन (सेन्टर फार जर्मन स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली) द्वारा एक व्याख्यान '' ट्रान्सलेशन कम्यूनिकेशन एण्ड निगोशियेटिंग कल्चरल डिफरेन्सेज'' पर एक कार्यशाला (अक्टूबर 6, 2012) में दिया।
3. प्रो0 डा0 रेखा वी रंजन (सेन्टर फार जर्मन स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली) द्वारा जर्मन भाषा के प्रथम, तष्तीय एवं पंचम सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं को व्याख्यान (नवम्बर 4 से 6, 2012) प्रस्तुत किया।
4. सुश्री मिलन शर्मा ([PASCH (The "Schools: Partners for the Future" initiative of the Federal Foreign Office, Germany), New Delhi]) द्वारा केन्द्रीय विद्यालयों में जर्मन भाषा में नौकरियों की उपलब्धता के बारे में विवि के जर्मन भाषा के तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं से चर्चा की।
5. प्रो0 डा0 वोल्फगैंग ब्रॉनगार्ट (बेइफिल्ड विवि) ने Rainer Maria Rilke's Duineser Elegies, "Literature and Anthropology on example of Friedrich Dürrenmatt", "Brecht's Poesies of Friendliness", "Where does Understanding begin?" to the students of German (March 17- 30, 2013). जर्मन भाषा के छात्र/छात्राओं को व्याख्यान (मार्च 17 से 30 ,2013) प्रस्तुत किया।
6. डा0 रेाजिला परेज (Faculty of Spanish, CSPILAS/SLL&CS, Jawaharlal Nehru University, New Delhi)- Salsa and Flamenco पर स्पेनिश भाषा के छात्र/छात्राओं के लिये कार्यशाला (जनवरी 21 एवं 22, 2013) का आयेाजन किया।
7. प्रे0 डेब्रा कास्टिलो (प्रोफसर आफ कम्परेटिव लेक्चर कार्नेल विवि) तथा डा0 मिनी साहनी (एसोसियेट प्रो0इन स्पेनिश जर्मेनिक एण्ड रोमान्स स्टडीज दिल्ली विवि) बार्डर्स आईडेन्टिटीज एण्ड आबजेक्ट्स (जनवरी 21 एवं 22, 2013)
8. डा0 कार्मेन विलासोल (Educator and Professor of Spanish at IIP Planning Group, Spain) rFkk Jh fodkl dqekj flag (Assistant Professor in Spanish, SOFL, IGNOU)) द्वारा '' लर्निंग स्पेनिश लैन्गुएज एज ए फॉरेन लैन्गुएज इन इण्डिया : स्कोप एण्ड प्रोस्पेक्ट्स नामक विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला मार्च 13 एवं 14 को आयोजित की।
9. प्रो0 प्रियदर्शी मुखर्जी (CCSEAS, JNU) ने विवि के भाषायी संस्थान द्वारा आयोजित '' ट्रान्सलेशन फॉर बिगनर्स'' विषयक कार्यशाला को सम्बोधित किया।
10. प्रो0 सुसन क्लेन्गेल एण्ड श्री विकास कुमार सिंह द्वारा भी भाषायी संस्थान में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां

एम0ए0 समेकित चाइनीज के विद्यार्थियों द्वारा चाइनीज सेन्टर जेएनयू द्वारा आयोजित वार्षिक वसन्तोत्सव में प्रतिभाग किया।

6.5 प्रबन्धन संस्थान (एस0ओ0एम0)

प्रबन्धन संस्थान दून विवि को शिक्षा के विभिन्न चयनित क्षेत्रों मे अध्ययन हेतु उत्कृष्ट बनाने की दिशा में अग्रसर है। प्रन्बधन संस्थान द्वारा बाजार की आवश्यकता को पूरा करने के लिये विवि में उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम को संचालित किया है जिससे छात्र/छात्राओं मे तार्किक विकास के साथ साथ ऑद्योगिक क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की समझ पैदा हो सके। इसके लिये संस्थान निरन्तर विभिन्न अवसरों पर विवि मे औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ साथ विभिन्न अकादमियों से अनुभवी फैकेल्टियों को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित करता रहता है। जिससे की छात्र/छात्राओं में बाजार की गतिविधियों की प्रयोगात्मक समझ बढ़ सके। इसके अलावा प्रबन्धन संस्थान छात्र/छात्राओं को विभिन्न देश की प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में शैक्षणिक भ्रमण यात्रा करवाता रहता है जिससे की इनके ज्ञान में मानव संसाधन, वाणिज्य प्रबन्धन, वित्तीय प्रबन्धन की समझ पैदा हो सके। वर्तमान में विवि में छात्र/छात्राओं व संकाय सदस्य को पढ़ने के लिये 30 राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय जरनल व उच्च स्तर की पुस्तकों का पुस्तकालय में संग्रह उपलब्ध है। संस्थान ने समर ट्रेनिंग के लिये विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से अनुबन्ध किया हुआ है।

पाठ्यक्रम जो संस्थान द्वारा चलाया रहा है।
व्यवसाय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर – 2 वर्षीय

विशेषज्ञतायें जो संचालित हो रही हैं।

1. बाजार प्रबन्धन
2. मानव संसाधन प्रबन्धन
3. वित्तीय प्रबन्धन
4. अन्तराष्ट्रीय व्यवसाय

संकाय/स्टाफ

1	डा0 गजेन्द्र सिंह पी0एच0डी0 पंजाब विवि	विभागाध्यक्ष
2	डा0 आशीष सिन्हा, पी0एच0डी0 बी0एच0यू0	असिसटेन्ट प्रोफेसर
3	डा0 सुधांशु जोशी, पी0एच0डी0 गुरुकुल कांगडी विवि	असिसटेन्ट प्रोफेसर
4	ड0 प्राची पाठक, पी0एच0डी0 एम0जे0पी0 विवि रोहेलखण्ड	असिसटेन्ट प्रोफेसर
5	श्री एस0के0दादर एम0बी0ए0	एसोसियेट प्रोफेसर

शिक्षा सत्र 2012–13 में प्रबन्धन संस्थान (School of Management) में दाखिल छात्र/छात्राओं की संख्या।

पाठयक्रम का नाम	कुल सीटें	कुल दाखिल छात्र /छात्राओं की संख्या।	छात्रों की संख्या	छात्राओं की संख्या
एम0बी0ए0	40	35	19	16

संकाय सदस्यों की उपलब्धि

पुरुस्कार/उपलब्धियाँ

1. डा0 प्राची पाठक को 2012 में आई0एस0टी0डी0– ट्रेनिंग एण्ड डेवलपमैन्ट डिप्लोमा एवार्ड दिया गया।

शोध प्रकाशन

1. डा0 गजेन्द्र सिंह '' इम्पीरिकल एनालाइसिस आफ अर्वेनेस एण्ड सटिसफेकश्न लेवल आफ कस्टमर विद रिस्पेक्ट टू बैंकिंग ई–सर्विस इन नार्थन इण्डिया'' इन द एशिया पैसेफिक मार्केटिंग रिव्यू द जरनल आफ एशिया पैसेफिक इन्सिटिटयूट ऑफ मैनेजमैन्ट वाल्यू0 1 न0 1 जनवरी–जून 2012 पीपी 7–26 (आईएसएसएन : 2277–2057)

2. गजेन्द्र सिंह '' एन एक्सप्लोरेटिव स्टडी आफ सटिसफेकशन सेवल ऑफ साइबर क्राइम विक्टिमस विद रिस्पेक्ट टू ई– सर्विस आफ बैंकस ''इन द जरनल आफ इन्टरनेट बैंकिग एण्ड कामर्स, वाल्यू0 17 नं0 3 दिसम्बर 2012 (आईएसएसएन : 1204–5357)

3. गजेन्द्र सिंह(2012) '' प्रोडक्ट स्टेज पैकेजिंग फीचर्स एडोप्टेड बाई स्माल स्केल इंन्डस्ट्री इन उत्तराखण्ड इण्डिया '' इन अफ्रीकन जरनल आफ बिजनेसस मैनेजमेन्ट वाल्यू0 17 (13) पीपी 1015. 1027 अप्रैल 2013 (आईएसएसएन : 1993–8233)

4. गजेन्द्र सिंह(2013) साइबर अटैक एण्ड डिफेन्स स्ट्रेटिजीज इन इण्डियाः एन इम्पिरिकल एसेसमैन्ट आफ बैंकिग सेक्टर '' इन इन्टरनेशनल जरनल आफ साइबर क्राइमीनोलोजी, वाल्यू0 17 इश्यू जनवरी –जून 2013 (आईएसएसएन : 0974–2891)

5. जोशी एस (2013) सोशल नेटवर्किंग इन एकेडेमिक लाइब्रेरीजः ए स्टेट आफ द आर्ट रिव्यू आफ वेब 2.0 लाइब्रेरी एप्लीकेशन्स , इश्यू एण्ड कन्सर्न। इन एस0 थानुसकोडी (एडी0), चैलेन्जज आफ ऐकेडेमिक लाइब्रेरी मैनेजमैन्ट इन डेवलेपिन्ग कन्ट्रीज (पीपी 226–248) हर्से, पीएः इन्फार्मेशन सांइस रिफरेन्स डीओआई : 10. 4018/978–1–4666–4070 2, सीएच0017

6. जोशी एस(2013) ई– सप्लाई चेन कोलाब्रेशन एण्ड इन्टीग्रेशन : इम्प्लीमेन्टेशन इश्यू एण्ड चैलेन्जेज । इन डी, ग्राहम , आई मानिकस , एण्ड डी0 फोलिनस (म्क्एि) ई–लोजेस्टिक एण्ड ई सप्लाई चेन मैनेजमैन्ट एपलीकेशन फोर इवाल्विंग बिजनेस (चचण 9.26). हेर्से, पीए : बिजनेस सांइस रिफरेन्स कवपरू 10.4018/978-1-4666-3914-0.ch002

7. जोशी एस एण्ड शर्मा एम (2013)वेब 2.0 न्यू कोलाबरेशन टूल फोर बिजनेसस एक्सीलैन्स , सीएसआई कम्यूनिकेशन्स , 36(10). 10-16.ISSN0970-647X

8. जोशी एस एण्ड शर्मा एम (2013)। ईमरजेन्सी आफ ई लाइब्रेरीज अमन्ग साउथ–एशियन कन्ट्रीज : क्रिटिकल इश्यू एण्ड कन्सर्न सीएसआई कम्यूनिकेशन्स , 36(12). 5-8. ISSn 0970-647X

9. बहुगुणा वी0, जोशी एस0, एण्ड बालचन्द्रा पी, (2013)। एसेसमैन्ट आफ रोल आफ जीआईएस फोर नेचुरल डिजास्टर मैनेजमैन्टः अ क्रिटिकल रिव्यू , इन्टरनेशलन जरनल आफ इनोशियेटिव रिसर्च इन सांइस, इन्जीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी. ISSN रू 2319.8753

10. प्राची पाठक (2013) पब्लिश्ड पेपर इन JBIMS Mumbai जरनल नेम स्पैक्ट्रम वाल्यू0 1 नं0 1 जनवरी से जून 2013 (ISSN: 2320-7272)

मंजूर नये शोध प्रोजेक्ट

1. डा गजेन्द्र सिंह को ''मेजरिंग एडवर्टाइजिंग इफेक्टिवनेस थ्रो कन्ज्यूमर एटीट्यूड , रिटेन्शन एण्ड साइकोग्राफिक प्रोफाइल इन FMCG प्रोउक्टस ''पर 3 वर्षीय प्रोजेक्ट मिला है। यह प्रोजेक्ट'' आल इण्डिया कांउसिल फोर सोशल सांइस रिसर्च नई दिल्ली के द्वारा वित पोषित है।

2. डा गजेन्द्र सिंह को ''द इन्फ्लूऐन्स आफ हाफस्टेड कल्चरल डाइमेन्शन माडल आन द इमरजेन्स आफ इन्टप्रीन्योरियल डेवलपमैन्ट इन स्माल एण्ड मीडियम स्केल इन्टरप्राइजेज इन नार्दन इण्डिया ''विषय पर दो साल के लिये एक प्रोजेक्ट मिला है जिसको वित पोषित'' इण्डियन कांउसिल फोर सोशल सांइस रिसर्च नई दिल्ली कर रहा है।

3. डा सुधांशु जोशी का एक वृहद शोध प्रोजेक्ट '' एन इम्पीरिकल स्टडी ऑफ बैंकिंग ट्रांन्सफॉमेशन्स थ्रो ई– सर्विसेज : इमरजिंग इश्यू एण्ड पोटेन्शियल स्ट्रंटिजीज'' दो वर्ष के लिये पास हुआ है जिसकी वित्तीय मदद इण्डियन कांउसिल ऑफ सोशल सांइस रिर्सच नई दिल्ली से हो रही है।

सेमिनारो/कार्याशालाओं/पेपर प्रस्तुतीकरण/अथिति व्याख्यान में सहभागिता।

1. गजेन्द्र सिंह द्वारा एक पेपर जिसका शीर्षक ''ग्रोथ एण्ड परफॉरमेन्श ऑफ बैंक्स विद रिस्पेक्ट्स टू ई–सर्विसेज'' था का प्रस्तुतीकरण अन्तराष्ट्रीय सेमिनार सूचना एवं संचार प्राद्योगिकी और प्रबन्धन में उभरते मानदण्ड एवं अभ्यास में किया गया। इसका आयोजन स्कूल आफ इन्फोरमेशन तथा कम्यूनिकेशन तकनीकी गौतम बुद्ध नगर विवि ग्रेटर नोइडा यूपी सहयोग मैरीलैण्ड ईर्ष्टन शोर मैरीलैण्ड यूएसए दिनांक 26 से 28 जुलाई 2012 किया गया था

2. गजेन्द्र सिंह द्वारा एक पेपर शीर्षक ''एन एनालाइसिस आफ अवेयरनेस एण्ड सैटिशफैक्शन सेवल आफ ई– बैंकिग सर्विसेज'' (जिसको समिति द्वारा सर्वोत्तम पेपर का खिताब दिया गया।) से प्रस्तुत किया गया। इस पेपर का प्रस्तुतीकरण अन्तराष्ट्रीय प्रबन्धन शोध सेमिनार ''

मैनेजमैन्ट प्रैक्टिस एण्ड स्ट्रेटिजीज इन डायनमिक ग्लोबल इन्वायरमैन्ट'' में किया गया जिसका आयोजन अकलेश दिनेश मोदी इन्सिटिट्यूट फार फायनेन्सियल एण्ड मैनेजमैन्ट फोर फायनेन्सियल एण्ड मैनेजमैन्ट स्टडीज, मुम्बई विवि द्वारा दिनांक 14 एवं 15 दिसम्बर 2012 को किया था।

3. प्राची पाठक द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार ''बिजनेस इथिक्स ''इश्यू एण्ड चैलेन्जेज इन एजुकेशन पर पेपर प्रस्तुत किया। इसका आयोजन उत्तराखण्ड मुक्त विवि हल्द्वानी द्वारा दिनांक 24 एवं 25 मार्च 2012 को किया था।
4. प्राची पाठक द्वारा अन्तराष्ट्रीय शोध सेमिनार JBMIS मुम्बई में 7 से 8 मार्च 2013 में पेपर प्रस्तुत किया।
5. गजेन्द्र सिंह द्वारा द्वितीय अन्तराष्ट्रीय बाजार सेमिनार (मारकोन 2012 को भारतीय प्रबन्धन संस्थान कलकत्ता में भाग लिया। सेमनार का शीर्षक ''कन्ज्यूमर एटिट्यूड टूवर्डस प्रोडेक्ट नोलेज ब्रांड पार्सिपेशन एण्ड पर्चेज इन्टेन्शन FMCG एडवरटाइजमैन्ट था।
6. सुधांशु जोशी को इण्डियन सोसाईटी फार ट्रेनिंग एण्ड डेवलपमैन्ट (ISTD) की प्रबन्धन समित का सदस्य चुना गया। चैप्टर 2012–13

छात्र/छात्राओं का चयन

1. श्री सुमित सूरी अमेरिकन एक्सप्रेस
2. श्री तहजीब अहमद, इंडियन नेवी
3. श्री अभिषेक उज्ज्वल, कैम्पस गुरु
4. सुश्री उमा तिवारी, अमेरिकन एक्सप्रेस
5. श्री पीयूष, माईडाला डाट कॉम
6. सुश्री शोभना, अमेरिकन एक्सप्रेस
7. सुश्री स्वेता, अमेरिकन एक्सप्रेस
8. श्री दिनेश, माईडाला डाट कॉम
9. श्री आशीष मुण्डप्पी, माईदला डाट कॉम
10. सुश्री शिल्पी, आक्टवेयर टैक्नोलोजी
11. श्री पीयूष, फर्स्ट नौकरी डाट काम
12. श्री ज्योती, ट्रीनिटी डिजिटल्स

कम्पनीज जो विव परिसर में आईं।

1. एचडीएफसी लाइफ
2. आक्टवेयर टैक्नोलोजी
3. इण्टर ग्लोबल टैक्नोलोजी
4. माईडाला डाट काम
5. ताज होटल्स टीम लीज
6. अमेरिकन एक्सप्रेस गुरु
7. ट्रीनिटी डिजीटल्स

अन्य गतिविधियांः–

1. बी0एच0ई0एल0 हरिद्वार का औद्योगिक दौरा हुआ जिसमे छात्र/छात्राओं को बी0एच0ई0एल0 की कार्यप्रणाली के बारे में सीखने का मौका मिला।
2. एक औद्योगिक यात्रा गोवा के लिये निर्धारित की गई।
3. एक औद्योगिक यात्रा दिल्ली की एम0बी0ए0 के तष्तीय वर्ष के छात्र/छात्राओं के लिये निर्धारित की जिसमें उन्होने स्काई गौरमेट गुडगांव तथा एचआरडीआई नोयडा का भ्रमण किया।

6.6 जन नीति केन्द्र

सेन्टर फॉर पब्लिक पालिसी की स्थापना 2006 में एन0टी0पी0सी0 की वित्तीय मदद के फलस्वरुप हुई। यद्यपि यह सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा संचालित किया गया तथापि यह स्वायत्त केन्द्र के रुप में अपनी गठित समितियों के द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन करता है। यह केन्द्र उत्तराखण्ड जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के विशेष सन्दर्भ में सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में शोध और गम्भीर प्रयासों का पोषण करना चाहती है।

सार्वजनिक नीति के लिये केन्द्र (Center for Public Pilicy)

केन्द्र द्वारा कई प्रकार की परामर्शदात्री बैठको को आयोजन किया कुछ उनमें से एक हैं।

क्र0स0	दिनांक	चर्चा बैठक के लिये विशय	स्थान
1	10 अप्रैल 2012	राष्ट्र परामर्षः इण्डिया ICIMOD's स्ट्रेटिजिक फ्रेमवर्क एण्ड मीडियम टर्म एक्शन प्लान	मन्गोलिया हाल इण्डिया हैबिटेट सेन्टर नई दिल्ली
2	13–14 अप्रैल 2012	2nd रीजलन कन्सलटेशन आन SPACC	अल्मोड़ा
3	16–05–2012	वुमैन, फूड, एण्ड क्लाइमेट चैन्ज	गोरखपुर इन्वायरमैन्टल एक्शन ग्रुप
4	25–26 मई 2012	इझिउयन माउन्टेन इनिशियेटिव सस्टेनेबल माउन्टेन डेवलपमैन्ट समिट–2	गंगटोक, सिक्किम
6	18 जून 2012	प्रथम विशेषज्ञ समिति की बैठक– 2nd सायकल आन एमसीटी ऑफ आईएफएस ऑफिसर्स	IGNFA देहरादून
7	06 अगस्त 2012	हिरोशिमा दिवस	सीनेट हाल देहरादून
8	07 अगस्त 2012	डाटा डिसीमिनेशन वर्कशाप– निदशक जनगणना अभियान उत्तराखण्ड	दून विवि
9	29 से 31 अगस्त 2012	स्टेकहोल्डर ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन आन बुल्डिंग सस्टेनेब उत्तराखण्ड फॉर टूमारो	दून विवि
10	1 सितम्बर 2012	भारत में विज्ञान शिक्षाः इश्यू एण्ड कन्सर्न (i) एन इफेक्टिव अप्रोच टू डू रिसर्च इन इकोलोजी एण्ड इन्वायरमैन्टल सांइस ए लेक्चर बाई प्रो0 एस0 एन0 सिंह FNA	दून विवि

11	04 सितम्बर 2012	राउन्डटेबल आन द रोल ऑफ माइग्रेशन एज एडाप्शन स्ट्रेटजी टू इनवायरमैन्टल वैरिबिलीटी एण्ड चेन्ज	नई दिल्ली
12	18 सितम्बर 2012	7th हिमालयन इन्वायरमैन्ट कन्जरवेशन वर्कशाप	सॉन्गस्टन पुस्तकालय
13	24 सितम्बर 2012	स्किल डेवलपमैन्ट कान्सिल आफ द स्टेट आफ राजस्थान	दिल्ली
14	8 से 12 अक्टूबर 2012	प्रोगाम फोर आईएएस आफिसर्स आन : क्लाइमेट चेन्ज एण्ड स्टेट प्रीपियरर्डनेस : इम्पैक्ट वुलनीरेबिलिटी एण्ड एडापटेशन	टीरी नई दिल्ली
15	15से 19 अक्टूबर 2012	भूटान + 10 जेण्डर एण्ड सस्टेनेबल माउन्टेन डेवलपमैन्ट पद इन अ चेन्जिंग वर्ल्ड	अन्तराष्ट्रीय सेमिनार थिम्पु भूटान
16	21 अक्टूबर 2012	सेकेण्ड वर्कशाप आन स्पॉन्सर्ड रिसर्च स्टडी आन एडुकेशनल एण्ड प्रोफेशनल स्टेटस आफ शैडियूल ट्राइबः एटैन्मैन्टस एण्ड चैलेन्जेज	ICSSR नई दिल्ली
17	नबम्बर 27 2012	एन इन्टर डिपार्टमेन्ट राउन्ड टेबल टू मेनस्ट्रीम जेण्डर इनटू क्लामेट चेन्ज एडाप्शन प्लानस एण्ड प्रोग्रम	दून विवि
18	3 से 4 दिसबर 2012	दो दिवसीय आईएफएस अधिकारियो की कार्यशालाः ईकोडेवलपमैन्ट फोर बायोडाइवर्सिटी कन्जरवेशन : एसेसमैन्ट एण्ड वे फारवर्ड	वाइल्ड लाइफ संस्थान
19	5 से 7 दिसम्बर 2012	हल्द्वानी में व्याख्यान के लिये आमंत्रित	हल्द्वानी
20	16 से 18 दिसम्बर 2012	मैथोडोलोजी ट्रैनिंग प्रोगाम	बीबी अम्बेडकर विवि
21	17 से 18 दिसम्बर 2012	पर्वतीय क्षेत्र तथा जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला	दार्जलिंग
22	11 से 13 जनवरी 2013	सर्वे ट्रेनिंग आफ आरआईएस0 आफ एडु एसटी प्रोजेक्ट फोर उत्तराखण्ड	दून विवि
23	18 से 21 जनवरी 2013	सर्वे ट्रेनिंग आफ आरआईएस0 आफ एडु एसटी प्रोजेक्ट फोर हिमांचल प्रदेश	केन्द्रीय विवि हिमांचल प्रदेश

24	6 फरवरी 2013	ग्लोबल पोस्ट 2015 डेवलपमैन्ट ऐजेण्डा : उत्तराखण्ड कन्सलटेशन्स आन द फ्यूचर वी वांट	दून विवि
25	15 से 15 फरवरी 2013	ईकोसिस्टम सर्विसेज– वॉल्येएशल एण्ड पालिसी इश्यू	IGNFA देहरादून
26	20 से 21 फरवरी 2013	विशेषज्ञ समिति बैठक IGNFA	IGNFA देहरादून
27	6 मार्च 2013	21 सदी में समानता व सामाजिक न्याय	ग्लोबल जुबली आडिटोरियम डीबीएस (पीजी) कालेज देहरादून
28	11 मार्च 2013	गेस्ट लेक्चर फोर पीएसयू इन IGNFA	IGNFA देहरादून
29	11 मार्च 2013	जलवायु परिवर्तन के प्रभावः पब्लिक कन्सलटेशन आन ट्रेनिंग मैटिरियल्स	हरितमा ऑग्रेनिक किचन आफ उत्तराखण्ड 13 गांव सहस्त्रधारा रोड देहरादून
30	19 मार्च 2013	आईएमआई	दिल्ली

केन्द्र के प्रकाशन

1. ए प्लानिंग फ्रेमवर्क फोर द माउन्टेन स्टेटस ऑफ इण्डिया
2. प्रो–पूअर पालिसी एनालाइसिस फोर एडाप्शन
3. वार्षिक प्रतिवेदन
4. एप्रोप्रियेटनेस आफ सेन्ट्रली स्पान्सर्ड स्कीम
5. इण्डियन माउन्टेन सिटीज

चेयर

डा0 आर0एस0 टोलिया, पूर्व मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन

7. दून विश्वविद्यालय पुस्तकालय

विजनः– विवि के पुस्तकालय दून विवि देहरादून के शैक्षिक एवं शोध कार्यो को उच्च स्तर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। तथा ज्ञान के चतुर्मुखी विकास के लिये सुविधा प्रदानकरने के लिये प्रतिबद्ध है। पुस्तकालय का एकमात्र उद्देश्य विश्वस्तरीय सुविधाओं से सम्पन्न होना व छात्र/छात्राओं को शैक्षिक क्रियाओं के लिये सहायता प्रदान करना है।

लक्ष्यः– सामाजिक विज्ञान, मानविकी तथा विज्ञान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय ज्ञान को केन्द्र बनना।

- उत्कृष्टता के सर्वोच्च अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, सीखने और अनुसंधान की खोज के माध्यम से समाज में योगदान करने के लिए विश्वविद्यालय के मिषन का समर्थन करने के लिए।
- संस्था के शैक्षणिक समुदाय की जानकारी की जरूरत को पूरा करने के लिए ज्ञान संसाधन उपलब्ध कराना।

पुस्तकालय कर्मचारी

क्र0स0	नाम	पदनाम
01	उदिता नेगी, एम0एस0सी0 (कैमेस्ट्री), एम0लिब एण्ड आई0एस0सी0	सहायक पुस्तकलाध्यक्ष

पुस्तकालय के संसाधनों का विस्तार

पुस्तकालय ने वर्ष के दौरान तरक्की की दिशा में महत्वपूर्ण कद बढ़ाये हैं। इसके अतिरक्त पुस्तकालय में 5790 पुस्तकों का संग्रह, 90 पत्र–पत्रिकायें, तथा 61 सी0डी0, 249 डिसर्टेशन/प्रोजेक्ट हैं। इसके अलावा पुस्तकालय पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में आनलाइन जरनल की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। साथ ही पहली बार पुस्तको की लेन/देने सम्बन्धी कार्यो को कम्प्यूटर के माध्यम से करना शुरु किया गया।

मार्च 2012 तक पुस्तकालय का कुल संग्रह निम्नवत है।

क्र0स0	संग्रह	2012–13 में जुड़ी	कुल 31 मार्च 2013 तक की स्थिति
01	किताबें	1282	7052
02	पत्र–पत्रिकायें		55 पत्र–पत्रिकायें
03	ई–जरनलस	106 टाईटलस (सांइस डाइरेक्ट)	106 टाईटलस (सांइस डाइरेक्ट)
04	सी0डी0/डी0वी0डी0	26	86
05	डिसर्टेशन/प्रोजेक्ट	78	327
06	गिफ्टेड पुस्तकें	173	465
07	नक्शें	1	18
08	अखबार		15

वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान विवि पुस्तकालय ने रु0 1122574 की पुस्तकें तथा जरनलस/पत्र–पत्रिकायें रु0 3793148 क्रय की ।

क्रियायें / पहल

लाइब्रेरी आटोमेशन

अगस्त 2011 में पुस्तकालय में 7 लाइब्रेरी साफटवेयर की स्थापना कर दी गई। सभी पुस्तको, पत्र–पत्रिकाओं तथा सी0डी0 को मशीन से पठनीय बनाने के लिये सूचीबद्ध किया है। एक ग्रंथ सूचीबद्ध पुस्तको तथा सी0डी0 का 24ग7 बेब ओपके के जरिये कैम्पस के अन्दर देखने की सुविधा प्रदान की गई है। ओपेक के द्वारा नाम, शीर्षक लेखक के नाम, एक्सेसन या कई अन्य तरीको से पुस्तक को खोजा जा सकता है। इसके अलावा यह उपभोगकताओं को अपने खाते की स्थित, नये आगमन विषयों तथा विशेष पुस्तको के बारे में छूट प्रदान करता है।

पुस्तकों का जारी करना / लेना पूरी तरह से स्वचालित है। तथा उपभोगताओं को सुविधा प्रदान करता है। सदस्यों को एकल बारकोड पहचान प्रणाली के जरिये पहचान पत्र उपलब्ध कराया गया है।

पुस्तक प्रदर्शनी।

विवि के कर्मचारियों, छात्र / छात्राओं तथा संकाय सदस्यों को नवीनतम प्रकाशनों की जानकारी देने के लिये दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयेाजन किया गया। इस प्रदर्शनी में लगभग 10000 राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय विख्यात लेखको / प्रकाशकों की पुस्तको का प्रदर्शन किया गया। जैसे एल्सवीर, स्प्रिंगर वैली, कैम्ब्रीज, सेज, रुटलेज, सी0आर0सी0, कोगेन प्रेस, टैक्समैन, ऐकेडेमिक प्रेस, कैन्जेज, मैकमिलन, टी0एम0एच0 एच0पी0एच0 जैको, रुपा, एस.चन्द, पियरसन, पी0एच0आई0 वीवा ग्रुप जैसे प्रकाशको की सामाग्री प्रकाशित की गई

दून विवि पुस्तकालय ने अपनी यू0जी0सी0 इन्फोनेट भागीदारी के जरिये 4000. स्कोलर्ली जरनलस(ई–जरनलस) को आईएनएफएलआईबीएनईटी केन्द्र के माध्यम से आनलाईन प्राप्त करने में सफलता हासिल की।

ई–रिर्सोसेस	ई–रिर्सोसेस	ई–रिर्सोसेस
• इकोनामिक एण्ड पालीटिकल वीकली	आईएस0आईडी	टेलर एण्ड फ्रेन्सिस
• इैमेरल्ड	जेएसटीओआर	विलि–ब्लैकवैल
• इण्डियनजरनलस डाट काम	स्प्रिंगर लिंक	

पुस्तकालय सेवायें

सन्दर्भ परामर्ष एवं वितरण

पुस्तकालय प्रातः 08:00 से सायं 9:30 तथा प्रात 10 बजे से सांय 5 बजे अवकाश के दिनों में खुला रहता है।(राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर)। पुस्तकालय ने पूर्व छात्र / छात्राओं के लिये भी सुविधा प्रदान की है। पुस्तकालय अपने उपभोगताओं को निम्नतम नवीनतम सूचनाओं के लिये चेतावनी प्रदान करता है।

- वर्तमान सामाग्री सेवा
- फाइल की सूची नये आगमन
- समाचार सामग्री प्रदर्शित करना।

8. दून विश्वविद्यालय में सुविधाएं

8.1 छात्रावास

दून विवि एक आवासीय विवि है। छात्र/छात्राओं से उम्मीद की जाती है कि वे जब तक उन्हे अनुमति ना हो वे छात्रावास में ही रहें। छात्र/छात्राओं को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि वे कैम्पस में रहें जिससे कि वे अपनी कक्षाओं के अतिरिक्त होने वाले समूह वादविवाद एवं अन्य गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें। साथ ही किसी भी प्रकार का कोई सन्देह यदि पढ़ाई से सम्बन्धित हो तो उसका निराकरण तुरन्त किया जा सके जिससे उनका उनका सर्वांगीण विकास हो सके। वे अपनी संवाद की क्षमता को बढ़ा सके। यहां पर छात्र तथा छात्राओं के लिये अलग–अलग 250 व 225 कक्षों वाले छात्रावासों की व्यवस्था है । दोनो छात्रावास एकल आवासीय कमरोंवाले व नवीनतम सुविधाओ जैसे सौर्यऊर्जा ऊष्मीय प्रणाली, इन्टरनेट सुविधा, अध्ययन कक्ष, आदि से सुसज्जित हैं। सभी छात्र/छात्राओं को छात्रावास के नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

8.2 सामाजिक सशक्तिकरण प्रकोष्ट

सामाजिक सशक्तिकरण प्रकोष्ट का गठन दून विवि में 17 नवम्बर 2011 को हुआ था। इस सेल का उद्देश्य दून विवि के अनूसूचित जाति/जनजाति को निशुल्क कोचिंग प्रदान करना है। बाद में दून विवि से अतिरक्त विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान की जायेगी। यह सेल साथ ही अग्रेंजी भाषा की रेमिडल क्लासेज तथा कम्प्यूटर शिक्षा पर भी ध्यान दे रहा है। साथ ही यह सेल विभिन्न राज्य एवं केन्द्र परीक्षाओं की तैयारी जैसे नेट परीक्षा आदि की भी तैयारी करवा रहा है।

8.3 प्लेसमैन्ट प्रकोष्ठ/निगमित संसाधन प्रकोष्ठ

निगमित संसाधन प्रकोश्ठ का गठन दून विवि के प्रबन्धन संस्थान के छात्र/छात्राओं के लिये रोजगार एवं कैरियर मे अवसर प्रदान करने के लिये किया गया है। यह प्रकोष्ठ पूरी तरह से नवीनतम तकनीकी समर्थन से युक्त है तथा साथ ही यह प्रकोष्ठ विभिन्न निगमित कार्याशालाओं का आयेाजन करता रहता है जिससे कि प्रबन्धन संस्थान के छात्र/छात्राओं को उनकी क्षमताओं का विकास करने में मदद मिल सके। इस प्रकोष्ठ के पास देश की लगभग 15000 कम्पनीज का डाटा बैंक तैयार है । इस शीतकालीन मध्यावकाश में प्रबन्धन संस्थान के प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओं को विभिन्न परियोजनाओ में शामिल करा दिया जायेगा

8.4 आई0पी0आर0/ पैटेन्ट प्रकोष्ठ

दून विश्वविद्यालय बड़े पैमाने पर समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में विकास और तकनीकी क्षमता के हस्तांतरण के लिए एक मंच बनाने का प्रयास रहा है। विवि ने यूकास्ट की वित्तीय मदद से आई0पी0आर0 प्रकोष्ठ का निर्माण किया है। जिससे की सूचनाओं, उनके बौद्धिक शक्ति के उत्पाद की रक्षा करने के लिए संकाय और विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के लिए जानकारी अभिविन्यास और सुविधाओं को उपलब्ध करवाया जा सके। यह सेल सक्षम होगा कि वह शोधार्थियों को दिशा निर्देश प्रदान करने में जिससे कि वह अपने शोध का पेटेंट हासिल कर सके। यह साथ ही यूकास्ट की मदद से आई0पी0आर0 की जागरुकता प्रोगाम को विवि मे संचालित करेगा।

8.5 कम्प्यूटर सुविधा

दून विवि में उत्तम 40 कम्प्यूटर की डेल कम्प्यूटर वाली लैब है। साथ ही उच्च गति वाले इन्टरनेट की सुविधा भी है। वाइट बोर्ड एवं प्रोजेक्टर की मदद से पढ़ाने में सहायक सभी उन्न्त प्रणालियां सीखने के वातावरण को ऊचाईयों पर ले जाता है। कम्प्यूटरों में उन्नत प्रिंट मीडिया, जैसे साफ्टवेयर साथ ही नवीनतम संस्करण वाले साफ्टवेयर जैसे एसपीएसएस, और जीआईएस साफ्टवेयर जैसे ईआरडीएएस इमेजिंग और आर्क–इन्फो कम्प्यूटरों में स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक स्कूलों मे केन्द्रीकृत कम्प्यूटर की सुविधायें प्रदान की गई हैं। जिससे कि वे दिनादिन की शोध एवं पढ़ाई की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

8.6 खेल सुविधा

दून विवि छात्र/छात्राओं को खेल के संसाधन वित्तीय मदद एवं उच्च स्तरीय ढांचा देने के लिये प्रतिबद्ध है। इस अनुक्रम में एक कदम बढते हुये छात्र/छात्राओं को खेलकूद के लिये आधुनिक बहुखेल परिसर उपलब्ध कराया गया हे जिसमें कि क्रिकेट, बास्केटबाल, तथा लॉन टैनिस आदि खेल खेले जा सकते हैं । साथ ही कुछ इन्डोर गेम जैसे शतरंज, टेबिल टेनिस, कैरम तथा

बैडमिन्टन आदि को खेलने के लिये छात्र तथा छात्राओं के छात्रावास में सुविधा प्रदान की गई है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त जिम्नेजियम का निमार्ण दोनो छात्रावासों में किया गया है। विवि छात्र/छात्राओं को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करता है। एक खेल समिति का भी निर्माण किया गया है जिसमें कि छात्र एवं संकाय सदस्य दोनो मिलकर खेल से सम्बन्धित मामलों का निपटारा करते हैं।

8.7 चिकित्सा सुविधा

एक येाग्य एमबीबीएस डा0 दून विवि परिसर में प्रत्येक दिन 5–7 बजे के बीच फैकेल्टी लाज में भ्रमण करते हैं।

8.8 बैंक सुविधा

दून विवि परिसर में पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा एक छोटी शाखा स्थापित की गई है। साथ ही पंजाब नेशनल बैंक का 24 घंटे सुविधा वाला एटीएम छात्र/छात्राओं, संकाय सदस्यो तथा कर्मचारियों की सुविधा के लिये परिसर में कार्यरत है। जल्द ही एचडीएफसी भी अपना एटीएम विवि परिसर में खोलने जा रहा है।

8.9 डे केयर केन्द्र

एक शोरगुल से मुक्त एवं अपने संकाय सदस्यों तथा स्टाफ की क्षमताओं व कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिये यू0जी0सी0 की वित्तीय मदद से विवि परिसर में डे केयर केन्द्र की स्थापना की है। डेकेयर सेन्टर की स्थापना विवि के वार्डन हाउस के भूतल पर की गई है। जिसमें पूर्ण सुविधाओं जैसे डाइनिंग के लिये स्थान, क्रियाकलाप कक्ष, आराम कक्ष, आदि की व्यवस्था है। डेकेयर केन्द्र का उपयोग संकाय सदस्य/ कर्मचारी दोनो भुगतान कर कर सकते हैं। वर्तमान में 8 बच्चे 6 माह से लेकर 5 वर्ष तक के इस केन्द्र का लाभ उठा रहे हैं। एक संचालक और एक सहायक वर्तमान में इस केन्द्र पर कार्यरत हैं।

8.10 फैकेल्टी लॉज

विवि में 60 भवन दो कक्षो वाला फैकेल्टी लॉज एडजंक्ट फैकेल्टियों, अतिथि फैकेल्टियों व अन्य भ्रमण करने वाले लोगो के लिये परिसर में मौजूद हैं। फैकेल्टी लॉज में आधुनिक सुविधा वाला साफ सुथरा व स्वस्थ खानेपीने की सेवा प्रदान करने वाला कैफेटेरिया/मैस स्थित है। जल्द ही अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक अन्तराष्ट्रीय स्तर का गेस्ट हाउस कार्य करने लगेगा।

8.11 पोस्ट आफिस

विवि परिसर में पोस्ट आफिस के लिये स्थान प्रदान किया गया है। जिसका लाभ संकाय सदस्य,कर्मचारी तथा छात्र छात्रायें ले रहे हैं।

9. सहपाठ्यक्रम गतिविधियां

120

ITBPF

9.1 विश्वविद्यालय सांस्कृतिक घटनायें व गतिविधियां

9.1.1 प्रथम राजीव गांधी अन्तरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव

एक सप्ताह तक चलने वाला प्रथम अन्तरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन दून विवि में 24 से 26 फरवरी 2013 को हुआ। 24 फरवरी 2013 को युवा महोत्सव की रंगारंग शुरुआत दून विवि के खेल मैदान में हुई। इसके उद्घाटन समारोह में बोलते हुये महामहिम राज्यपाल उत्तखण्ड, डा0 अजिज कुरैशी ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे महोत्सव युवाओं के कुछ सीखने व अपने विचारों के आदान –प्रदान के लिये सबसे अच्छे मंच है। उनका कहना था कि युवा भविश्य के नेता हैं। उन्हे अपने देश के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिये। उन्होने ऐसे महोत्सवों के लाभो के बारे में बताया।

दून विवि ने प्रथम राजीव गांधी अन्तरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव मे बड़े स्तर पर सांस्कृतिक एवं खेलों का आयोजन अलग अलग स्तरो पर किया। उत्तराखण्ड के 16 विश्वविद्यालयों के लगभग 2000 छात्र/छात्राओं ने इसमें भाग लिया। जिसमे गढ़वाल विवि, कुमाऊँ विवि, गुरुकुल कांगड़ी विवि, संस्कृत विवि, जी0बी0पन्त विवि ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टैक्नालोजी, देव संस्कृत विवि, श्रीदेव सुमन विवि, भरसार विवि आफ हार्टिकल्चर, एफआरआई डीम्ड विवि, ग्राफिकऐरा विवि, हिमगिरीनभ विवि, एचआईएचटी विवि, उत्तराखण्ड तकनीकि विवि, उत्तराखण्ड मुक्त विवि, तथा दून विवि शामिल थे। इस प्रथम युवा महोत्सव में प्रमुख खेल जैसे टेबिल टैनिस, बैडमिन्टन, शतरंज, फुटबाल, वालीबॉल, कबड्डी तथा क्रिकेट आदि रहे। प्रतिस्पर्धी घटनाओं में जैसे लोक नृत्य, लोकगीत, वन एक्ट प्ले(हिन्दी/अंग्रेजी), एकल शास्त्रीय गायन (हिन्दुस्तानी व कर्नाटक), वाग्मिता (आशु), हारमोनियम (लाइट), वाद्ययन्त्र एकल (सितार, बांसुरी, तबला, वीना, और मृंदग), गिटार, शास्त्रीय नृत्य आदि को दून विवि कल्चरल कमेटी के अनुभवी अधिकारियों द्वारा सफलतापूवर्क आयोजित किया गया। रंगारंग कार्यक्रम के अन्त में प्रथम राजीव गांधी अन्तरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव के पुरुस्कार वितरण का कार्य हुआ। कुमाऊँ विवि द्वारा सांस्कृतिक श्रेणी में समग्र ट्रौफी जीती वहीं खेलो की श्रेणी की समग्र ट्रौफी गढ़वाल विवि की झोली मे गई। इस महोत्सव मे दून विवि के छात्रों ने 6 पुरुस्कार जीते।

9.1.2 राष्ट्रीय एकता सप्ताह समारोह

दून विवि के एन0एस0एस0 के तहत राष्ट्रीय एकता सप्ताह समारोह 19 से 25 नवम्बर 2012 के बीच मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो0 वी0के0जैन, डा0 एस0एस0सूथर एन0एस0एस0 कॉर्डिनेटर, प्रो0 वी0के0गर्ग, व रजिस्ट्रार डा0 बी0एम0हरबोला उपस्थित थे।

9.1.3 डांडिया नाइट

स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन के द्वारा डांडिया नाइट कार्यक्रम विवि में आयोजित किया गया। रुब्बा बैंड द्वारा अपने प्रदर्शन से छात्र/छात्राओं को रोमांचित कर दिया। विवि की उत्साही भीड़ के सामने अद्भुत नृत्य का प्रदर्शन किया गया। इस डांडिया नाइट को डिवाइन कनेक्शन्स द्वारा प्रायोजित किया गया था।

9.1.4 गांधी जयंती समारोह

02 अक्टूबर को गांधी जी के जन्मदिवस के अवसर पर दून विवि कैम्पस में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री विजय बहुगुणा मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड ने विवि की इस देशभक्ति की भावना की तारीफ की। उन्होने दून विवि के छात्र/छात्राओं के उच्च प्रदर्शन पर उनकी सराहना की।

9.2 राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरुआत एमएचआरडी के इस पहल पर कि छात्र/छात्राओं की सामाजिक कार्यो में रुचि को बढ़ाने के उद्देश्य से हुई है। विद्यार्थियों की ऊर्जा को सही दिशा दिखाये जानेकी जरुरत है। राष्ट्रीय सेवा योजना में विद्यार्थी विभिन्न पर्यावरणीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना आईएमए देहरादून के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन करता है। इसी प्रकार ग्रीन ड्राइव का भी आयेाजन पर्यावरण की रक्षा को समझाने हेतु एनएसएस द्वारा आयोजित किया गया। दून विवि कैम्पस में एनएसएस द्वारा हजारो पौधों का रोपण किया जा चुका है।

9.3 रैंगिग के लिये भून्य सहिश्णुता

दून विवि द्वारा रैगिंग के लिये शून्य सहिष्णुता नीति निर्धारित की गई है। दून विवि कैम्पस को रैंगिग मुक्त बनाने व रैंगिग को रोकने के लिये विवि ने यूजीसी के दिशानिर्देशों को लागू किया है। विवि ने एक एन्टी रैगिंग कमेटी का भी गठन किया है। तथा साथ ही माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुसार एन्टी रैगिंग दस्ते का भी गठन किया है । विवि परिसर के विभिन्न स्थलों पर स्थायी बोर्डो में कमेटी के सदस्यों के नाम व मो0 न0 लिखे गये हैं। प्रत्येक वर्ष में नये छात्र/छात्राओं के प्रवेश के बाद होने वाले ओरिएन्टेड प्रोगाम में विद्यार्थियों को कमेटी के चेयरपसर्न द्वारा रैगिग के बारे में जानकारी दी जाती व छपे पर्चे भी बांटे जाते हैं।

9.4 लैंगिग मुद्दों का निवारण

माननीय उच्चतम न्यायालय की विशाखा वर्से उच्च न्यायालय राजस्थान केस 1997 में दिये गये दिशा निर्देशों के अनुसार दून विवि ने लैंगिग मुद्दों का निवारण हेतु कमेटी का गठन किया है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने दिशा निर्देशों में कार्यस्थलों पर होने वाले यौन उत्पीड़न को रेाकने व उनके निवारण के लिये दिशा निर्देश जारी किये हैं। माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुपालन के लिये दून विवि में सन2010 में लैंगिग मुद्दों का निवारण हेतु कमेटी का गठन भी कर दिया। कमेटी के सभी सदस्यों के नाम व मोवाइल नं0 स्थायी बोर्डो पर छात्र एवं छात्राओं के छात्रावास के अलावा परिसर के महत्वपूर्ण स्थानों में जैसे एडमिनिस्ट्रेटिव भवन,पुस्तकालय, लेक्चर थियेटर काम्प्लेक्सआ आदि स्थानों अंकित कर दिये गये हैं। लैगिंग संवेदनशीलता की बेहतर समझ के लिये नये व पुराने छात्र/छात्राओं मे इसकी जागरुकता की जानकारी के पर्चे बांटें गये हैं। जेण्डर सेंसिटाइजेशन कमेटी के चेयरपर्सन द्वारा नये छात्र/छात्राओं के प्रवेश के बाद होने वाले ओरिएन्टेड प्रोगाम में इस विषय पर व्याख्यान भी दिया जाता है।। इसी अनुक्रम मे समय समय पर लेक्चरों का भी आयोजन किया जाता रहा है। विश्व महिला दिवस पर सामाजिक विज्ञान संस्थान व पर्यावरण विज्ञान संस्थान के छात्र/छात्राओं द्वारा लैंगिग समानता पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। निर्भया पर बनी फिल्म भी इस अवसर पर दिखाई गई।

9.5 हरित परिसर

पर्यावरण क्षरण व जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान के प्रति दून विवि भलीभांति परिचित है व इसको रोकने के लिये किये जाने वाले उपायों के लिये दृढ़ संकल्प हैं। दून विवि परिसर को हराभरा बनाने

की दिशा में विवि ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। जिनमे से कुछ निम्नवत है।

1. फैकेल्टी होम, फैकेल्टी लॉज, साथ ही दोनों लड़के एंव लड़कियों के छात्रावासों में सौर्य ऊर्जा के ऊष्मीय प्रणाली को स्थापित करना।
2. विवि परिसर मे 80 सौर्य ऊर्जा से संचालित स्ट्रीट लाइट लगाना।
3. परिसर में उत्पन्न जैव अवशिष्ट पदार्थों के प्रबन्धन के लिये खाद यूनिट का निर्माण
4. जल संचयन संरचनाओं को सभी भवनों में लगाना।
5. सीवेज संशोधन प्लांट के जरिये अवशिश्ट पानी का पुर्नचक्रण

9.6 विश्वविद्यालय में आने वाले विशिष्ट आगंतुक

1 महामहिम महोदय डा0 अजिज कुरैशी राज्यपाल उत्तराखण्ड।
2 माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय बहुगुणा।
3 प्रो0 गॉरजेस जेम्स नार्थ टैक्सस विश्व विद्यालय।
4 प्रो0 पूरना समान्था, नैरोबी विश्व विद्यालय।
5 प्रो0 पीटर कोलेस जेन्ट इस्तवान हंगरी।
6 प्रो0 महेश कुमार सिंह जेन्ट इस्तवान हंगरी।
7 प्रो0 डा0 वोल्फगैंग ब्रुनगार्ट ब्लेफेल्ड विश्व विद्यालय।
8 प्रो0 डा0 हैराल्ड हेसमैन ओसारब्रुक विश्व विद्यालय।
9 डा0 रोजिला परेज संकाय सदस्य स्पेनिश CSPILAS/SLL&CS, जे.एन.यू. नई दिल्ली।
10 प्रो0 डेब्रा कैस्टेलियो प्रो0 आफ कम्पयेरिटिव लेक्चर कार्नेल विश्व विद्यालय।
11 डा0 कार्मेन विलासोल (एडुकेटर एण्ड प्रो0 आफ स्पेनिश एट आईआईपी प्लानिंग ग्रुप स्पेन)।
12 प्रो0 मनोज पन्त जेएनयू नई दिल्ली।

10. भावी परिकलपनाएं

10.1 शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तार (विश्वविद्यालय के जनादेश के अनुसार) मौजूदा स्कूलों के साथ ही नए स्कूल शुरू करने को मजबूत करने की दृष्टि से परिकल्पना की गई है।

1. भाषा संस्थान
   5 वर्षीय समेकित एम0ए0 इन फ्रेंच, अंग्रेजी व उर्दू
2. पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन संस्थान
   एम0टैक इन इन्वायरमैन्ट टैक्नोलोजी
3. भौतिक विज्ञान संस्थान (नया संस्थान)
   भौतिक विभाग, गणित विभाग, रसायन विभाग
4. सामाजिक विज्ञान संस्थान
   एन्थ्रोपोलोजी विभाग, मनोविज्ञान विभाग
5. प्रोद्योगिकी संस्थान
6. डिजायन संस्थान

10.2 बुनियादी ढाँचे का विस्तार

1. लेक्चर हाल काम्प्लैक्स व ऐकेडेमिक भवन–2 का पूर्णीकरण
2. लड़के व लड़कियो का छात्रावास
3. पुस्तकालय भवन
4. संकाय सदस्यो के आवास
5. एस0ई0एन0आर0 प्रयोगशाला

10.3 नैक (नेशलन ऐससमैन्ट एण्ड एक्रीडेशन काउंसिल) मूल्यांकनः

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोश्ठ (IQAC) का गठन विवि में कर दिया गया है। IQAC द्वारा इस वर्ष दो मीटिंग की गई है जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णयों को लिया गया है जिससे विवि की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। IQAC अधिनियम परिसर में गुणवत्ता प्रबन्धन को बनाये रखने में सहायक होगा।

DOON UNIVERSITY
KEDARPURAM, DEHRADUN
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2013

PARTICULARS	SCHEDULE	CURRENT YEAR (Rs.)	PREVIOUS YEAR (Rs.)
LIABILITIES			
GRANT FUND- State Gov UA	1	58,337,001.00	-
FIXED ASSET CAPITAL FUND	2	986,351,595.95	976,188,002.68
EARMARKED / ENDOWMENT FUND	3	77,182,563.81	78,503,229.88
GENERAL FUND	4	42,121,005.49	28,884,475.18
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	5	8,301,169.70	5,148,688.70
Total in Rs....		**1,172,293,335.95**	**1,088,724,396.44**
ASSETS			
FIXED ASSETS	6	986,176,482.95	976,059,882.68
INVESTMENT - ENDOWMENT / EARNMARKED	7	53,754,790.00	50,398,062.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)	8	132,362,063.00	62,266,451.76
Total in Rs...		**1,172,293,335.95**	**1,088,724,396.44**

"As per Accountant's Reports of even date."

For DMA & ASSOCIATES
Chartered Accountants

CA MANOJ KUMAR SAXENA
Partner, FCA
M No 493522

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

Date:06/09/2013
Place :Dehradun

DOON UNIVERSITY
KEDARPURAM, DEHRADUN
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDING 31ST MARCH 2013

PARTICULAR	SEHEDULE	CURRENT YEAR (Rs.)	PREVIOUS YEAR (Rs.)
INCOME			
Grants from State Govt of Uttarakhand	1	41,667,000.00	37,526,183.00
Income from Sales / Services	9	650,305.00	529,400.00
Fee's / Subscription	10	21,761,629.00	19,602,241.00
Interest Earned	11	1,422,625.31	571,758.00
Other Income	12	2,003,561.00	1,472,519.00
Total (A) in Rs..		**67,505,120.31**	**59,702,101.00**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	13	17,616,344.00	12,666,871.00
Other Administrative Expenses	14	36,682,389.00	32,021,101.90
Total (B) in Rs..		**54,298,733.00**	**44,707,972.90**
Surplus/ (Deficit being excess of Income over Expenditure		13,206,387.31	(3,589,806.00)
Total in Rs.. (A-B)		**13,206,387.31**	**14,994,128.10**

For DMA & ASSOCIATES
Chartered Accountants

CA MANOJ KUMAR SAXENA
Partner, FCA
M no 403522

Date :03/09/2012
Place :Dehradun

V.K.JAIN **D.C.LOHANI**
Vice Chancellor Finance Controller

DOON UNIVERSITY

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2013

SCHEDULE "1"- GRANTS FUND

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	RECURRING FUND	NON- RECURRING FUND BUILDING	NON- RECURRING FUND OTHER	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance at the beginning of the Year	-	-	-	-	39,923,000
Add: Transfer from Fixed Asset Capital Fund	41,667,000	100,000,000	20,000,000	161,667,000	-
Add: Grants Received during the year	-	-	-	-	68,000,000
Less: Transfer to fixed Assets Capital Fund (For fixed Assets purchased during the year)	-	(55,000,000)	(6,662,999)	(61,662,999)	(70,396,817)
Add/Less: Transfer to / from funds	-	-	-	-	-
Less: Transfer to Income & Exp A/c	(41,667,000)	-	-	(41,667,000)	(37,526,183)
Total in Rs...	**-**	**45,000,000**	**13,337,001**	**58,337,001**	**-**

SCHEDULE "2" - FIXED ASSET CAPITAL FUND

(Amt in Rs.)

PARTICULARS				CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance at the beginning of the Year	-	-	-	976,188,002.68	962,765,656.18
Less: Depreciation For the year 2012-13 Charged	-	-	-	51,499,405.73	-
Less: Depreciation For the year 2010-11 Charged	-	-	-	-	58,989,854.50
Add:Prior Period Adjustment	-	-	-	-	15,384.00
Add : Transfer from Grants Fund (Addition to fixed assets during the year)	-	-	-	61,662,999.00	70,396,817.00
Total in Rs...				**986,351,595.95**	**976,188,002.68**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DOON UNIVERSITY

SECHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2013

SECHEDULE 3 : EAR MARKED / ENDOWMENT FUND

(Amt in Rs.)

Name of the fund	Bal. as on 01/04/2012	Received	Interest Income	Exp./Refunded	Balances as on 31/03/2013
NTPC Social Science study Fund	45,887,667.00	-	3,966,091.00	1,384,739.00	48,469,019.00
Non Plan Fund	2,622.00	-		-	2,622.00
Scholerships Fund	287,320.00	150,000.00	-	437,320.00	-
EDUSET Fund	103,496.00	120,000.00	-	223,496.00	-
GTZ Fund	179,267.88	368,533.00	9,299.00	568,091.70	(20,991.82)
NICRA	322,889.00	535,156.00	49,102.00	722,879.00	184,268.00
Pandit Mahanand Dangwal Scholarship Fund	5,432,942.00	-	512,793.00	140,126.00	5,805,609.00
NAMAI	9,450.00	-	-	-	9,450.00
NSS Red Ribbon Club	712.00	4,500.00	-	-	5,212.00
Pratham Educational Project	25,000.00	-	-	25,000.00	-
University Grant Commission	26,056,175.00	28,193,548.00	927,522.00	40,951,954.37	14,225,290.63
World Wide Founder Nature India	18,000.00	39,894.00	-	57,894.00	-
Self Financing Course Funds	105,778.00	452,900.00	-	426,252.00	132,426.00
EIA Workshop	2,595.00	5,000.00	-	7,595.00	-
National Seminar	2,518.00	322,750.00	-	285,820.00	39,448.00
SOC Workshop	63,343.00	-	-	-	63,343.00
UCOST	(6,545.00)	-	-	-	(6,545.00)
Uttrakhand state science for IPR Cell	10,000.00	-	-	-	10,000.00
SOC EMCSpecializaation	-	52,950.00	-	52,950.00	-
SERB School-SS suther Project-seminar fund	-	80,000.00	-	71,600.00	8,400.00
SERB School-SS suther Project	-	420,000.00	-	15,010.00	404,990.00
JK Public service exam Fund	-	50,000.00	-	-	50,000.00
Inspire Fellowship Program	-	780,000.00	-	420,000.00	360,000.00
Youth Festival Fund	-	3,521,700.00	-	3,238,989.00	282,711.00
UGC Project-Kusum Arunachalam	-	576,800.00	1,138.00	-	577,938.00
UGC Project-Archana Sharma	-	660,800.00	-	-	660,800.00
UGC Project-Vijay Sridhar	-	1,016,800.00	-	-	1,016,800.00
UGC Project-Computer Centre Fund	-	3,700,000.00	-	-	3,700,000.00
ICSSR Project-Gajendra singh	-	256,450.00	-	85,828.00	170,622.00
ICSSR Project-R S Tolia	-	1,750,000.00	-	842,653.00	907,347.00
ICSSR Project-Rashi Mishra	-	147,600.00	-	23,795.00	123,805.00
	78,503,229.88	43,195,381.00	5,465,945.00	49,981,992.07	77,182,563.81

DOON UNIVERSITY
SECHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2013

SCHEDULE "4" - GENERAL FUND (WORKING CAPITAL FUND)

(Amt in Rs..)

PARTICULAR	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance at the Beginning of the Year	28,884,475.18	14,530,488.08
Add:Transferred from Depreciation Reserve	-	-
Add : Surplus Transfer from Income & Expenditure A/c	13,206,387.31	14,994,128.10
Less : Prior period adjustments	(30,143.00)	640,141.00
Total in Rs..	**42,121,005.49**	**28,884,475.18**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DOON UNIVERSITY
SEHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2013

SCHEDULE 5 : CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

(Amt in Rs..)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A. Current Liabilities		
1. Caution Money of Students	1,292,500	1,793,056
2. Securities from Suppliers/ Earnest Money	3,264,731	3,166,793
3. Statutory Liabilities	736,487	188,840
4. Other Current Liabilities	3,007,452	-
TOTAL (A)	**8,301,170**	**5,148,689**
TOTAL IN Rs...	**8301169.7**	**5148688.7**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DMA & ASSOCIATES
DEHRADUN
Chartered Accountants

DOON UNIVERSITY
KEDARPURAM, DEHRADUN
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET

SCHEDULE "6"- FIXED ASSETS & DEPRECIATION FUND

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	GROSS BLOCK						Depreciation				Net Block	
	Balance as on 01/04/2012	Addition for the year Before 30/09/2012	Addition for the year After 30/09/2012	Sold/Adjustments	Balance as on 31/03/2013	RATE	As on 01/04/2012	For the Year	Sold/Adjustment	Bal As On 31/03/2013	Balance as on 31/03/2013	Balance as on 31/03/2012
1) Building												
a) On Freehold Land	599,315,000	-	-		599,315,000	10%	162,414,365.00	43,690,064		206,104,429	393,210,571.50	436,900,635.00
2) Plant, Machinery & Equipment												
a) Computer & Peripherals	12,449,157	1,257,302	210,606	-	13,917,065	60%	9,731,454.38	2,448,185		12,179,639	1,737,426.05	2,717,702.62
b) Office Equipment	8,857,127	277,030	4,250		9,138,407	15%	2,058,171.19	1,061,717		3,119,888	6,018,519.19	6,798,955.81
c) Other Equipment	15,943,206	3,003,314	691,142	-	19,637,662	15%	4,763,788.23	2,179,245	-	6,943,034	12,694,628.35	11,179,417.77
3) Vehicles												
a) Car	512,694				512,694	15%	358,539.23	23,123		381,662	131,031.55	154,154.77
b) Bike	32,493				32,493	15%	14,034.57	2,769		16,803	15,689.67	18,458.43
4) a) Furniture & Fixtures	18,673,295	271,209	861,973	46,993	19,759,484	10%	4,174,782.98	1,520,071		5,694,854	14,064,630.27	14,498,512.02
5) Library Books	4,995,820	86,173	-		5,081,993	15%	1,253,773.74	574,233		1,828,007	3,253,986.37	3,742,046.26
6) Work-in-progress												
a) Building WIP	479,549,000	20,000,000	35,000,000		534,549,000	-	-	-		-	534,549,000.00	479,549,000.00
b) 33KVA HT Line	20,501,000	-	-		20,501,000	-	-	-		-	20,501,000.00	20,501,000.00
Total in Rs..	1,160,828,792	24,895,028	36,767,971	46,993	1,222,444,798		184,768,909.33	51,499,405.73	-	236,268,315	986,176,482.96	976,059,882.67

For DMA & ASSOCIATES
Chartered Accountants

CA MANOJ KUMAR SAXENA
Partner, FCA
M.No 403522

Date:06/09/2013
Place :Dehradun

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2013

SCHEDULE 7 : INVESTMENT FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. In Government Securities	-	-
2. Other Approved Securities	-	-
3. Shares	-	-
4. Debentures and Bonds	-	-
5. Subsidaries and Joint Ventures	-	-
6. Others (Fixed Deposits)	53,754,790.00	50,398,062.00
TOTAL IN Rs..	53,754,790.00	50,398,062.00

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DM & ASSOCIATES
Chartered Accountants
DEHRADUN

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2013

SCHEDULE 8: CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A. CURRENT ASSETS		
Bank Balance		
a) With Scheduled Bank		
PNB Saving A/c No.1556002100013026	1,069,618.31	2,163,113.00
PNB Saving A/c No.1556002100053721	21,519,760.00	17,426,509.00
PNB Saving A/c No.1556000110090435	408,587.00	111,838.00
PNB Saving A/c No.4422000101074830	577,938.00	-
UBI Saving A/c No.1395	225,277.00	383,898.00
UBI Saving A/c No.16224	25,650,122.25	27,842,665.00
UBI Saving A/c No.306802010313531	123,696.00	371,948.00
PLA at treasury	45,300,197.00	197.00
b) With Non- Scheduled Bank		
Gramin bank S/b Account No 96809	708,093.00	335,426.00
Gramin bank S/b Account No 76000663724	1,851,818.00	2,710,873.00
Gramin bank S/b Account No 76000502369	51,751.26	252,010.96
Gramin bank S/b Account No 76000663779	1,355,867.80	1,801,552.80
Gramin bank S/b Account-Girls Hostel	23,850.00	-
Gramin bank S/b Account-Boys Hostel	11,813.00	-
ICICI Bank	16,948,779.38	8,547,899.00
HDFC Bank S/b Account -13991450000353	15,070,000.00	-
HDFC Bank S/b Account -13991450000363	247,347.00	-
HDFC Bank S/b Account -13991450000380	83,622.00	-
HDFC Bank S/b Account -ICCSR Project	125,785.00	-
TOTAL (A)	**131,353,922.00**	**61,947,929.76**
B. Loan & Advances		
1. Loans & Advances		
a) Staff Imprest	1,008,141.00	318,522.00
TOTAL (B)	**1,008,141.00**	**318,522.00**
TOTAL IN Rs.. (A+B)	**132,362,063.00**	**62,266,451.76**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DMA & ASSOCIATES
DEHRADUN
Chartered Accountants

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE

SCHEDULE "9"- INCOME FROM SALES & SERVICES

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Income From Sales :		
a) Sale of Admission Forms	282,850.00	529,400.00
b) Sale of Teaching Forms	226,600.00	
c) Sale of Tender Forms	138,140.00	
c) Sale of Souvinear	2,715.00	
Total in Rs .. (Receipt)	**650,305.00**	**529,400.00**

SCHEDULE 10 : FEES / SUBSCRIPTION

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Fees from students	21,761,629.00	19,557,041.00
2 Self Financing Cources Fees	-	45,200.00
Total in Rs..	**21,761,629.00**	**19,602,241.00**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

SCHEDULE 11: INTEREST EARNED

(Amt in Rs)

PARTICULAR	Current Year	Previous Year
1. In Term Deposit		
a) With Scheduled Bank		
UBI		-
b) With Non- Scheduled Bank-ICICI	9,133	-
c) With Institution		-
d) Others		-
Less: Interest On Grant Refunded FY 2009-10		-
2. On Saving Account		
PNB	587,854	410,487
Gramin Bank	168,545	121,906
ICICI Bank	657,093	39,365
UBI	-	-
Total in Rs.. (1+2+3+4)	**1,422,625**	**571,758**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

SCHEDULE 12: OTHER INCOME

(Amt in Rs.)

PARTICULAR	Current Year	Previous Year
1. Tender Form Fee	-	21,270
2. Staff Recruitment Fee	-	10,500
3.Vendrs Registration Fee	3,000	15,000
4 Miscellaneous Income		
a) Projects Admin Fee	152,180	80,000
a) Fine & Penalties	75,720	-
c) Seminar Participation fee	157,750	-
d) RTI	1,262	540
e) Rent Received	817,081	1,056,998
e) Other Receipts	796,568	288,211
Total in Rs..	**2,003,561**	**1,472,519**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Control

DIMA & ASSOCIATES
DEHRADUN
Chartered Accountants

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

SCHEDULE 13 : ESTABLISHMENT EXPENSES

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	Current Year	Previous Year
1. Staff Salary	9,586,076.00	8,015,678.00
2. Allowances, Bonus & Honorarium		
a) Allowances	5,990,766.00	4,302,678.00
b) Honorarium	719,971.00	-
3. Contibution to New Pension Scheme		
Contribution to Pension scheme	1,043,874.00	70,113.00
4. Expenses on Employees		
Retirement & Terminal Benefits	255,657.00	217,474.00
5. Others (Medical Reimburesement)		
Medical Reimbursements	-	55,998.00
Transfer TA	20,000.00	24,930.00
Total	**17,616,344.00**	**12,686,871.00**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

DOON UNIVERSITY
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

SCHEDULE 14: OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES

(Amt in Rs.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
To Purchases of Material- Chemicals	379,392	192,582
To Contractual/ Daily wages	308,302	725,930
To Electricity, Power & Water Charges	5,011,800	3,990,855
To Office Expenses	1,140,858	1,306,362
To Repair & Maintenance	433,406	309,586
To Contract & Services Charges	20,144,956	16,555,049
To Fuel Expenses	536,302	475,842
To Postage, Telephone & Communication	824,032	1,692,640
To Printing & Stationery	418,320	531,977
To Travelling & Conveyance Exp.	392,631	742,900
To Hospitality Exps.	47,687	161,328
To Advertisement & Publicity	3,467,715	3,138,753
To Educational Expenses	1,798,296	1,191,726
To Other Expenses	1,778,692	1,005,572
Total in Rs..	**36,682,389**	**32,021,102**

V.K.JAIN
Vice Chancellor

D.C.LOHANI
Finance Controller

Annexures

Annexure I - (Members of the University Court (1st April, 2012 to 31st March, 2013)

1. The Chancellor
   HE The Governor, Uttarakhand
2. The Vice Chancellor, Prof. V. K. Jain,
3. Members of the Executive Council
   1) Principal Secretary Finance, Govt of Uttarakhand
   2) Principal Secretary, Higher Education, Govt of Uttarakhand
   3) Dr Sekhar Raha, Member, Executive Council
   4) Dr. Vandana Siva, Member, Executive Council
   5) Prof. I. S. Chauhan, Member, Executive Council
   6) Prof. S. Parasuraman, Member, Executive Council
   7) Shri P.A Nazareth, Former Ambassador, Member, Executive Council
4. Dean of Schools
5. The Registrar
6. The Finance Controller
7. University Librarian
8. Heads of Schools
   1) Head, School of Management
   2) Head, School of Communication
   3) Head, School of Language
   4) Head, School of Environment and Natural Resources
   5) Head, School of Social Science
9. 2 Representatives of the State Legislature To be nominated by Hon'ble Speaker
10. Persons representing Learned Professions Industry, Commerce and Agriculture
    1) Prof. S. Parasuraman Director,Tata Institute of Social Sciences,P.O. Box 8313, Deonar Mumbai-400088
    2) Dr. Y.N. Sharma, 'Arun' Member, Sahitya Academy, New Delhi 74/3, New Nehru Nagar, Roorkee, Uttarakhand
    3) Shri Sudhir Vasudeva, Chairman, Tel Bhawan, Dehradun
    4) Shri Padamvir Singh, Director, LBS National Academy of Administration Mussoorie, Dehradun
    5) Mrs. Kushal Singh, IAS (Retd.), Ex. Chief Secretary, Rajasthan 226 Sector-15-A, Noida, UP
    6) Dr. A.N. Purohit Ex. Vice Chancellor, HNB Garhwal University 181/1 Dobhalwala, Dehradun
    7) Shri P.A Nazareth, Ex. Ambassador, Managing Trustee, Sarvodaya International Trust, No-2 Vair Road, Frazer Town, Benguluru- 560005
    8) Prof. Pushpesh Pant School of International Studies, Jawaharlal Nehru University, New Delhi
    9) Dr. V.K. Bahuguna Director General, Indian Council of Forest Research & Education P. O. New Forest, Dehradun
    10) Dr. Subhash Purohit, Chairman, Institute of Consumer Education and Research, Tiwari Building, M.I. Road, Jaipur

Representatives of Teachers, Nominated by the Chancellor

1) Dr. Kusum Arunachalam, Assistant Professor, SENR
2) Dr. Rajesh Kumar, Associate Professor, School of Communication
3) Dr. Ashish Sinha, Assistant Professor, School of Management
4) Ms. Jaskiran Chopra, Visiting Faculty, School of Communication.

Annexure II - Members of Executive Council

1. Prof. V.K.Jain Pant Hon'ble Vice Chancellor and Chairman
2. Prof. B.K. Joshi, Director, Doon Library & Research Centre
3. Prof. V.K. Nangia, Prof. Dept of Management, IIT Roorkee
4. Prof. B.C. Aggrawal, Vice Chancellor, Himgiri Zee University
5. Dr. Rajendra Dobhal, Director, UCOST
6. Prof. G.J. Chakrapani, Prof, Dept of Earth Science, IIT Roorkee
7. Prof. S.P. Ganguly Prof., Dept of Language JNU New Delhi

Annexure II - Members of Academic Council For the Year 2012-13

8. Prof. V.K.Jain Pant Hon'ble Vice Chancellor and Chairman
9. Prof. B.K. Joshi, Director, Doon Library & Research Centre

10. Prof. V.K. Nangia, Prof. Dept of Management, IIT Roorkee
11. Prof. B.C. Aggrawal, Vice Chancellor, Himgiri Zee University
12. Dr. Rajendra Dobhal, Director, UCOST
13. Prof. G.J. Chakrapani, Prof, Dept of Earth Science, IIT Roorkee
14. Prof. S.P. Ganguly Prof., Dept of Language JNU New Delhi
15. Prof. J.K. Sharma, Dean, SENR
16. Prof. G.B. Pant, Visiting Prof, SENR
17. Prof. Minni Swaney, Head, School of Language
18. Dr. Rajesh Kumar, Head, Associate Professor, School of Communication
19. Prof. Pradeep Chakravarty, Visiting Professor, School of Communication
20. Dr. Gajendra Singh, Asso. Prof. School of Management
21. Dr. S.S. Suthar, Assoc Prof., SENR
22. Dr. R.N. Sharma, Assoc., Prof. SOL
23. Sh. S.S. Mohanty, Head, School of Social Sciences
24. Dr. Ashish Sinha, Asst. Prof., SOM
25. Dr. Archna Sharma, Asst. Prof, SENR
26. Ms. Rashi Mishra, Asst. Prof , SOC
27. Ms Tanvi Negi, Asst. Prof, SOL
28. Mrs Sikha Ahmad, Asst. Prof, SOSS

Annexure IV - Member of the Finance Committee of the University

1. Prof. V.K. Jain, Vice Chancellor and Chairman, Doon University.
2. Principal Secretary, Finance, Higher Education, Govt. of Uttarakhand.
3. Principal Secretary, Higher Education, Govt. of Uttarakhand.
4. Dr. Shekhar Raha, Member.
5. Prof. I.S. Chauhan, Ex Vice Chancellor, Barkattualh University Bopal.
6. Shri D.C. Lohani, Finance Controller, Doon University.
7. Dr. B.M.Harbola, Registrar, Member Secretary, Academic Council.

COMMITTEES

Anti Ragging Committee

1. City Megistrate, Dehradun
2. Circle, Officer, Nehru Colony, Police Station
3. Dr. Brij Mohan Sharma, Chairman PSPECS
4. Ms. Jaskiran Chopra, Special Correspondent, The Pioneer
5. Mr. Kuldeep Sumbly (Parent)
6. Shri Rakesh Uniyal (PARENT)
7. Prof. J.K. Sharma, Dean, SENR
8. Dr. Kusum Arunachalam, Asst. Prof., SENR
9. Ms. Tulika Diwan, Student
10. Mr. Sanjeev Rawat, Student
11. Deputy Registrar, Member Secretary

Central Disciplinary Committee

1. Dr. Rajesh Kumar, SOC
2. Dr. Kusum Arunachalam, SENR
3. Dr. Ashish Sinha, SOM

Grievance Redressal Committee

1. Dr. Rajesh Kumar, SOC
2. Dr. Vijay Sridhar
3. Dr. M.S. Mandrwal, Asst. Registrar
4. Ms. Udita Negi, Asst. Librarian
5. Kusum Arunachalam, SENR

Committee for Redressal of Gender Issues

1. Dr. Kusum Arunachalam, SENR
2. Dr. Rajesh Kumar, SOC
3. Ms. Rashi Mishra, SOC
4. Ms. Udita Negi, Asst. Librarian
5. Dr. Indu Singh, Principal, MKP PG College
6. Sh. Om Prakash Sati, Advocate

Research Advisory Committee

1. Prof. J.K. Sharma, SENR
2. Dr. Kusum Arunachalam, SENR
3. Dr. Rajesh Kumar, SOC
4. Dr. Gajendra Singh, SOM
5. Dr. Vijay Sridhar, SENR
6. Dr. Sudhanshu Joshi, SOM

Cultural Committee

1. Shri. S.K. Dadar, SOM
2. Shri Nitin Kumar, SOC
3. Ms. Swagata Basu, SOL
4. Ms. Aditi Mehrotra, SOL

Sports Committee

1. Dr. Gajendra Singh, SOM
2. Ms. Heena Saxena, SOL
3. Dr. Prachi Pathak, SOM
4. Shri Chandrika Kumar, SOL

Purchase Committee

5. Dr. Rajesh Kumar, SOC
6. Dr. Vijay Sridhar, SENR
7. Dr. S.S. Suthar, SENR
8. Dr. M.S. Mandrwal, Asst Registrar

House Allotment Committee

1. Dr. Rajesh Kumar, SOC
2. Dr. Kusum Arunachalam, SENR
3. Dr. M.S. Mandrwal, Asst Registrar

Campus Development Committee

1. Dr. Sudhanshu Joshi, SOM
2. Shri. M.K. Jha, SOL
3. Shri N.P. Saxena, Manager Accounts
4. Deputy Registrar/Assistant Registrar

Day Care Centre Committee

1. Dr. Kusum Arunachalam, SENR
2. Dr. Archana Sharma, SENR
3. Dr. Rajlaxmi Datta, SOS

Technical Committee

1. Prof. J.K. Sharma, SENR
2. Dr. Rajesh Kumar, SOC
3. Dr. S.S. Suithar, SENR
4. Dr. Mini Sawhney, SOL
5. Dr. Gajendra Singh, SOM
6. Dr. Sudhanshu Joshi, SOM
7. Dr. Suneet Naithani, SENR
8. Shri N.P. Saxena, Manager Accounts

Library Committee

1. Prof. J.K. Sharma, SENR
2. Dr. Rajesh Kumar, SOC
3. Shri Siba Sankar Mohanty, SOS
4. Dr. Sudhanshu Joshi, SOM
5. Ms. Udita Negi, Asst. Librarian

Academic Collaboration Cell

1. Prof. J.K. Sharma, SENR
2. Dr. Rajesh Kumar, SOC
3. Dr. Mini Sawhney, SOL
4. Dr. Gajendra Singh, SOM
5. Shri Siba Sankar Mohanty, SOS

Guest House Committee

1. Dr. Asish Sinha, SOM
2. Dr. Kusum Arunachalam, SENR
3. Dr. M.S. Mandrwal, Asst. Registrar

Hostel Wardens

Girls Hostel

1. Ms. Mala Sikha, SOL
3. Dr. Raj Laxmi Datta, SOS

Boys Hostel

1. Dr. S.S. Suthar, SENR
2. Shri Nitin Kumar, SOC
3. Shri SibSankar Mohanty, SOS

अनुबंध

अनुबंध–1 विवि प्रांगण के सदस्य

(1–अप्रैल, 2012 से 31 मार्च 2013)

1. कुलाधिपति माननीय राज्यपाल उत्तराखण्ड
2. कुलपति, प्रो. वी0के0 जैन
3. कार्यकारी परिषद के सदस्य
   1) प्रमुख वित्त सचिव – उत्तराखण्ड सरकार
   2) प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड सरकार
   3) डॉ. शेखर राहा, सदस्य, कार्यकारी परिषद।
   4) डॉ. बंदना शिवा सदस्य, कार्यकारी परिषद।
   5) प्रो. आई.एस. चौहान , सदस्य, कार्यकारी परिषद।
   6) प्रो. एस.परासरमेन, सदस्य, कार्यकारी परिषद।
   7) श्री पी ए. नाजारेथ भूतपूर्व अम्बेस्डर, सदस्य, कार्यकारी सदस्य।
4. संस्थानों के प्रमुख
5. कुलसचिव
6. वित्त नियंत्रक
7. विवि. पुस्कालयाध्यक्ष
8. स्कूल के मुखिया
   1) मुखियाः प्रबन्धन संस्थान
   2) मुखियाः जनसंचार संस्थान
   3) मुखियाः भाषा संस्थान
   4) मुखियाः पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन संस्थान
   5) मुखियाः सामाजिक विज्ञान संस्थान
9. माननीय अध्यक्ष द्वारा नामांकित, राज्य विधान मंडल के दो प्रतिनिधि।
10. उद्योग, वाणिज्य , एवं कृषि व्यवसायों के विज्ञ प्रतिनिधि।
    1) प्रो. एस. परासरामन निदेशक, टाटा इन्स्टीटयूट ऑफ सोशल साईंस , पी0ओ0 बॉक्स 8313, डियोनर मुम्बई।
    2) डॉ. वाई एन शर्मा अरून,सदस्य, साहित्य अकादमी नई दिल्ली।
    3) श्री सुधीर वासुदेवा चैयरमेन तेल भवन देहरादून।
    4) श्री पदमवीर सिह निदेशक, एल वी एस राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी देहरादून।
    5) कुशाल सिंह , आई.एसण (सेवा निवृत्त) भूतपूर्व प्रमुख सचिव राजस्थान 226 सेक्टर 15–ए नोयडा यूपी।
    6) डॉ. ए एन पुरोहित भूतपूर्व कुलपति एचएनबी गढ़वाल विवि0181/1 ढोभालवाला देहरादून।
    7) श्री पी ए नाजारेथ, भूतपूर्व अम्बेस्डर, मैनेजिंग ट्रस्टी सर्वोदया अंतर्राश्ट्रीय ट्रस्ट न02 वेर रोड फ्रेजर टाउन बंगलुरू–560005
    8) प्रो. पुष्पेश पंत, स्कूल ऑफ अंतर्राष्ट्रीय स्टडीज , जेएनयू विवि0 नई दिल्ली।
    9) डॉ. वी. के. बहुगुणा निदेशक जनरल, इंडिया काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट रिसर्च एवं एजुकेशन पी, ओ, न्यू फॉरेस्ट देहरादून।
    10) डॉ. सुभाष पुरोहित चेयरमैन , इंस्टीटयूट ऑफ कन्ज्यूमर एजुकेशन एण्ड रिसर्च , तीवारी विल्डिंग एम आई रोड जयपुर।

कुलाधिपति द्वारा नामांकित संकाय प्रतिनिधि

1) प्रो .कुसुम अरूणाचलम एस0ई0एन0आर0
2) डॉ. राजेश कुमार, एसोसिएट प्रो0 जनसंचार संस्थान
3) डॉ.आशीश सिन्हा, असिसटेंट, प्रबन्धन संस्थान
4) जसकिरन चोपड़ा, विजिटिग फैकल्टी, जनसंचार संस्थाने

vuc/k&2 dk;dkjh ifj"kn d lnL;

1. प्रो0 वी के जैन– सम्मानीय कुलपति एवं चेयरमैन
2. प्रो0 बी.के. जोशी, निदेशक, दून पुस्कालय एवं शोध केंद्र
3. प्रो0 वी के नाजिया, प्रो. मैनेजमेंट विभाग आईआई टी रूढ़की
4. प्रो0 बी सी अग्रवाल, कुलपति , हिमगिरि जी विवि.
5. डॉ. राजेंद्र डोभाल, निदेशक यूकोस्ट।
6. प्रो0 जी जे चकपानी, प्रो. विभाग भूविज्ञान।
7. प्रो0 एस.पी गांगुली डिपार्टमेंट ऑफ लेंग्वेज जेएनयू नई दिल्ली।

vuc/k&3 'k{kf.kd ifj"kn d lnL;

8 प्रो वी0 के0 जैन– सम्मानीय कुलपति एवं चेयरमैन

9 प्रो. बी.के. जोशी, निदेशक, दून पुस्कालय एवं शोध केंद्र

10 प्रो. वी0 के0 नाजिया, प्रो. मैनेजमेंट विभाग आईआई टी रूढ़की

11 प्रो. बी0 सी0 अग्रवाल, उपकुलपति , हिमगिरि जी विवि.

12 डॉ. राजेंद्र डोभाल, निदेशक यूकोस्ट।

13 प्रो. जी जे चकपानी, प्रो. विभाग भूविज्ञान।

14 प्रो. एस.पी गांगुली डिपार्टमेंट ऑफ लेंग्वेज जेएनयू नई दिल्ली

15 प्रो. जे के शर्मा डीन एसईएनआर

16 प्रो. जी बी पंत, विजिटिंग फैकल्टी।

17 प्रो. मिनि साहनी, प्रमुखः स्कूल ऑफ लेंग्वेज

18 डॉ. राजेश कुमार एसोसिएट प्रो. प्रमुख स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन

19 प्रो. प्रदीप चक्रवर्ती, विजिटिंग फैकल्टी, स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन।

20 डॉ. गजेंद्र सिंह, एसोसिएट प्रो. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट।

21 डॉ. एसएस सूथर , एसोसिएट प्रो. एसईएनआरं

22 डॉ. आर एन शर्मा, एसोसिएट प्रो0 स्कूल ऑफ लेंग्वेज

23 श्री एसएस मोहन्ती,प्रमुखः स्कूल ऑफ सोसियल साईंस

24 डॉ. आशीश सिन्हा, एसोसिएट प्रो. , स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

25 डॉ. अर्चना शर्मा असिस्टेंट प्रो. , एसईएनआर

26 राशि मिश्रा असिस्टैंट प्रो. स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन

27 त्नवी नेगी असिस्टेंट प्रो. स्कूल ऑफ लैंग्वेज।

28 शिखा अहमद, असिस्टेंट प्रो. स्कूल ऑफ सोसियल साईंस

vuqc/k&4 fo'ofo|ky; dh foRr lfefr dh lnL;

1. प्रो. वी के जैन कुलपति एव चेयरमैन दून विवि0
2. प्रमुख वित्त सचिव – उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड सरकार
3. प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड सरकार
4. डॉ. शेखर राहा, सदस्य, कार्यकारी परिषद।
5. प्रो. आई.एस. चौहान , सदस्य, कार्यकारी परिषद।
6. श्री डी सी लोहानी, वित नियंत्रक दूनि विवि.
7. डॉ0 बी एम हरबोला, कुलसचिव सचिव सदस्य, शैक्षणिक परिषद

समितियाँ

रैगिंग विरोधी समिति

1. सिटी मजिस्ट्रेट, देहरादून
2. क्षेत्र, अधिकारी, नेहरू कॉलोनी, पुलिस स्टेशन
3. डॉ. ब्रिज मोहन शर्मा चेयरमैन पीएसपीईसीएस
4. जसकिरन चौपडा, विशेष संवाददाता, द पायनियर
5. प्रे. कुलदीप सम्बली(पेरेंट)
6. श्री राकेश उनियाल(पेरेंट)
7. प्रो. जे0के0 शर्मा डीन एसईएनआर
8. प्रो. कुसुम अरूणाचलम एसईएनआर
9. मिस तुलिका दीवान (विद्यार्थी)
10. श्री संजीव रावत (विद्यार्थी)
11. उप कुल सचिव, सदस्य सचिव।

dsanh; vuq'kklukRed lfefr

1. डॉ. राजेश कुमार, स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन
2. डॉ. कुसुम अरूणाचलम, एसईएनआर
3. डॉ. आशीश कुमार, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

f'kdk;r fuokj.k lfefr

1. डॉ. राजेश कुमार, स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन
2. डॉ. विजय श्रीधर
3. डॉ. एम. एस. मंद्रवाल, असिस्टेंट रजिस्ट्रार
4. उदिता नेगी, सहायक पुस्तकालयध्यक्ष
5. डॉ. कुसुम अरूणाचलम एसईएनआर

जेंडर मुददे के निपटारे के लिए समिति

1. डॉ कुसुम अरूणाचलम, एसईएन आर
2. डॉ. राजेश कुमार, स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन
3. राशि मिश्रा असिस्टैंट प्रो. स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन
4. उदिता नेगी, सहायक पुस्तकालयध्यक्ष
5. डॉ. इन्दु सिंह, प्रिंसिपल एम के पी पीजी कॉलेज देहरादून
6. श्री ओम प्रकाश सती, एडवोकेट

अनुसंधान सलाहकार समिति

1. प्रो. जे0 के0 शर्मा एसईएनआर
2. डॉ. कुसुम अरूणाचलम एसईएनआर

3. डॉ. राजेश कुमार, एसओसी
4. डॉ. गजेन्द्र सिंह, एसओएम
5. डॉ. विजय श्रीधर, एसईएनआर
6. डॉ. सुधांशु जोशी, एसओएम

संस्कृति समिति

1. श्री एस के दादर, एसओएम
2. श्री नितिन कुमार, एसओसी
3. स्वागता बासु, एसओएल
4. अदिति मल्होत्रा, एसओएल

खेल समिति

1. डॉ. गजेंद्र सिंह, एसओएम
2. हीना सक्सेना,एसओएल
3. डॉ. प्राची पाठक,एसओए
4. श्री चन्द्रिका कुमार, एसओएल

क्रय समिति

5 डॉ. राजेश कुमार, एसओस
6 डॉ. विजय श्रीधर, एसईएनआर
7 डॉ.एसएस सूथर, एसईएनआर
8. डॉ. एम एस मंद्रवाल, सहायक कुलसचिव

गृह आबंटन समिति

1 डॉ. राजेश कुमार, एसओसी
2 डॉ. कुसुम अरूणाचलम एसईएनआर
3 डॉ. एम एस मंद्रवाल, सहायक कुलसचिव

परिसर विकास समिति

1. डॉ. सुधांशु जोशी, एसओएम
2. श्री एम के झा, एसओएल
3. श्री एन पी सक्सेना, मैनेजर एकाउण्टस
4. उपकुलसचिव/सहायक कुल सचिव

डे केयर सेंटर

1. डॉ. कुसुम अरूणाचलम एसईएनआर
2. डॉ. अर्चना शर्मा, एसईएनआर
3. डॉ. राज लक्ष्मी दत्ता, एसओएस

तकनीकी समिति

1. प्रो. जे के शर्मा एसईएनआर
2. डॉ. राजेश कुमार, एसओसी
3. डॉ. एसएस सूथर, एसईएनआर
4. डॉ. मिनी साहनी, एसओएल
5. डॉ. गजेंद्र सिंह, एसओएम
6. डॉ. सुधांशु जोशी, एसओएम
7. डॉ. सुनीत नैथानी, एसईएनआर
8. श्री एन पी सक्सेना, मैनेजर एकाउण्टस

पुस्तकालय समिति

1. प्रो. जे के शर्मा एसईएनआर
2. डॉ. राजेश कुमार, एसओसी
3. श्री सिबा शंकर मोहन्ती, एसओएस
4. डॉ. सुधांशु जोशी, एसओएम
5. उदिता नेगी, सहायक पुस्तकालयाक्ष्यक्ष

'kf{kd lg;kx ly

1. प्रो. जे के शर्मा एसईएनआर
2. डॉ. राजेश कुमार, एसओस
3. डॉ. मिनी साहनी, एसओएल
4. डॉ. गजेंद्र सिंह, एसओएम
5. श्री सिबा शंकर मोहन्ती, एसओएस

अतिथि गृह समिति

1. डॉ. आशीश सिन्हा, एसओएम
2. डॉ. कुसुम अरूणाचलम एसईएनआर
3. डॉ. एम एस मंद्रवाल, सहायक कुलसचिव

हाउस वार्डन लड़कियों का छात्रावास

1. डॉ. अर्चना शर्मा, एसईएनआर
2. माला शिखा, एसओएल
3. डॉ. राज लक्ष्मी दत्ता, एसओएस

बॉयज हास्टेल

1. एसएस सूथर एसईएनआर
2. श्री नितिन कुमार , एसओसी
3. श्री सिबाशंकर मोहन्ती, एसओएस